सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 313 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 27 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

राज्यपाल डेका ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) उबोवेजा को दिलाई प्रमुख लोकायुक्त पद की शपथ

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज यहां राजभवन में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) इंदर सिंह उबोवेजा को छत्तीसगढ़ लोक आयोग के प्रमुख लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति इंदर सिंह उबोवेजा ने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। अतिरिक्त मुख्य सचिव रेणु पिल्ले ने शपथ प्रक्रिया पूर्ण कराई। शपथ के पश्चात राज्यपाल श्री डेका एवं मुख्यमंत्री साय ने पुष्पगुच्छ से उबोवेजा का अभिवादन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व सांसद सुनील सोनी, अन्य जनप्रतिनिधिगण, पूर्व प्रमुख लोकायुक्त टीपी शर्मा, राज्य सूचना आयुक्त एनके शुक्ला, पूर्व सूचना आयुक्त मनोज पवार, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, राज्यपाल के विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय, संयुक्त सचिव हिना अनिमेष नेताम सहित, वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस अधिकारी तथा उबोवेजा के परिजन उपस्थित थे।

याद ए मुकेश का आयोजन आज भिलाई में

भिलाई। दर्द भरे गीतों के बादशाह स्वर्गीय मुकेश चंद्र माथुर की 48 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर यादें मुकेश का आयोजन हर साल की तरह इस साल भी नेहरू हाउस सेक्टर 1 में 27 अगस्त की शाम 6:30 बजे किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के साथ ही स्वर्गीय आशा इकबाल महिला पत्रकार सम्मान समारोह भी होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल होंगे तथा अध्यक्षता वैशाली नगर के युवा विधायक रिकेश सेन करेंगे। महिला पत्रकारों का सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के ई डी (पी एंड ए)पवन कुमार जी रहेंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता छ ग श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष आसिफ़ इकबाल की करेंगे।

बहुरने लगे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के दिन

साय सरकार ने खोला विकास का द्वार तो बदलने लगी तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में माओवादियों के सफाए की चल रही तैयारियों के बीच नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के दिन बहुरने लगे हैं। इन क्षेत्रों में प्रदेश की साय सरकार विकास की ऐसी लकीर खींच रही है, जिससे न केवल बच्चों और युवाओं को गुणवत्तायुक्त शैक्षणिक माहौल मिल रहा है, अपितु महिलाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी को शासकीय योजनाओं का लाभ भी मिलने लगा है। सरकार द्वारा तैयार की गई योजनाएं माओवाद प्रभावित इलाकों के लिए वरदान साबित हो रही है। एक ओर जहां छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए सरकार योजनाएं चला रही है तो दूसरी ओर इसके चलते राज्य सरकार को नक्सल मोर्चे पर भी बड़ी सफलता मिल रही है। प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद बड़ी संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर किया है। वहीं कई खूंखार नक्सली जवानों की जवाबी कार्रवाई में ढेर हुए हैं। इसी बीच, नक्सल प्रभावित इलाकों में शिक्षा की अलख जगाने के लिए साय सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। नक्सल प्रभावित इलाकों के छात्रों को साय सरकार अब रोबोटिक और ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की शिक्षा देने जा रही है। प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने इसकी जानकारी दी है। साय सरकार के इस फैसले से नक्सल प्रभावित इलाके के 800 से ज्यादा बच्चों को फायदा होगा।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को आधुनिक शिक्षा देने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के साथ अनुबंध किया है। अनुबंध के तहत पहले दो शैक्षणिक वर्षों में 800 सरकारी स्कूलों में कौशल शिक्षा लागू की जाएगी। इस अवधि के दौरान 1,600 शिक्षक कक्षा छठवीं से 10 तक के 40,000 छात्रों को कौशल और जीवन कौशल की शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। गौरतलब है कि साय सरकार नक्सल इलाकों में शिक्षा की नींव को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सीएम साय ने आदेश दिया है कि आदिवासी बच्चों को उनकी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में प्रदान की जाए। ऐसे में मातृभाषा जानने वाले स्थानीय शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा नियद नेल्लानार योजना भी शुरू की गई है, जिसके तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में विकास के काम करवाए जा रहे हैं।

बदल रही है बस्तर की आबो-हवा

किसी समय बारूद की गंध से बुरी तरह प्रदूषित बस्तर की आबो-हवा में अब बदलाव आ रहा है। नक्सल-घटनाओं में कमी तो आई ही है, साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में विकास के कदम तेजी से और पूरी मजबूती के साथ जमने लगे हैं। नियद नेल्लानार जैसी योजना के जरिए सड़क, बिजली, पानी, राशन, स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी समेत सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाओं पहुंचाई जा रही है। फिलहाल यह योजना 33 गांवों में संचालित की जा रही है। नियद नेल्लानार के साथ ही केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी सभी पात्र लोगों को मिल रहा है। योजना के अंतर्गत सुरक्षा कैम्प के पांच किलोमीटर की परिधि के गांवों में नियद नेल्लानार योजना संचालित की जा रही है। माओवादी आतंक से प्रभावित बीजापुर जिले के पालनार कैम्प के आसपास के 5 गांवों के युवाओं ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इनमें से अनेक ऐसे युवा भी थे जो पहली बार बीजापुर क्षेत्र से बाहर निकलकर राजधानी रायपुर पहुंचे। गृहमंत्री शाह ने इन युवाओं से क्षेत्र के हालातों की जानकारी ली और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। दरअसल, ये युवा आदिवासी इलाकों से बाहर निकलकर रोजगार और व्यवसाय के नए अवसरों के जरिए अपना भविष्य गढ़ने की सोच लेकर रायपुर पहुंचे थे।

और बेहतर होगी सरेंडर पॉलिसी- गृहमंत्री विजय शर्मा

गृहमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों की सरेंडर पॉलिसी को और बेहतर करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि सरेंडर करने वाले नक्सलियों को सुविधाओं से जोड़ना है। हम चाहते हैं कि उन्हें और अधिक सुविधाएं देकर उनका जीवन व्यवस्थित करें। बस्तर की स्थिति ऐसी है कि सरेंडर करने वालों को सात दिन के भीतर आप गन पकड़ाकर गनमैन बना सकते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ना हमारा मकसद है। उल्लेखनीय है कि सत्ता में आने के बाद से भाजपा की साय सरकार ने पूरा फोकस नक्सल समस्या के निवारण पर किया है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह ने भी इसका वायदा किया था। शाह इसके लिए लगातार गम्भीर है। इस सिलसिले में वे हाल ही में रायपुर भी आए थे और नक्सलियों के खिलाफ बेहतर रणनीति तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने पर चर्चा की। उन्होंने नक्सल प्रभावित राज्यों छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों के अलावा केंद्र सरकार के सुरक्षा अधिकारियों की बैठक ली थी।

कमजोर होने लगी माओवादियों की जड़ें

इधर, नक्सलियों के खिलाफ लगातार सख्ती और प्रभावित क्षेत्रों में कराए जा रहे विकास कार्यों ने माओवादियों की जड़ें कमजोर कर दी है। यही वजह है कि नक्सली लगातार आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। बीजापुर में कल पुलिस को उस वक्त बड़ी सफलता मिली, जब 29 लाख के ईनामी 6 हार्डकोर नक्सलियों समेत 25 माओवादियों ने समर्पण कर दिया। बीजापुर एसपी जितेन्द्र यादव के मुताबिक, सरेंडर करने वाले नक्सलियों में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की 2 महिला नक्सली भी शामिल हैं। संगठन के भेदभाव से परेशान होकर नक्सलियों ने पुलिस के सामने हथियार डाले। समर्पण करने वाले सभी नक्सली गंगालूर इलाके में सक्रिय थे। बीजापुर में पिछले 7 महीनों में अब तक 170 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जबकि 346 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। समर्पण करने वाले नक्सलियों को प्रोत्साहन के तौर पर 25-25 हजार रूपए प्रदान किए गए।

महिला टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान, हरमनप्रीत कप्तान व स्मृति उपकप्तान

मुंबई (एजेंसी)। आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। मंगलवार को बीसीसीआई ने टीम की घोषणा की। हरमनप्रीत कौर टीम की अगुआई करेंगी। स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। महिला चयन समिति ने 15 सदस्यीय टीम का चयन किया। महिला टी20 विश्व कप इस साल संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट का यह नौवां संस्करण तीन से 20 अक्तूबर तक दुबई और शारजाह में खेला जाएगा।

प्रतियोगिता में भारत को ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार अक्तूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। वहीं, भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला छह अक्तूबर को खेला जाएगा। यह दोनों मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। चयनकर्ताओं ने एक बार फिर शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की ओपनिंग जोड़ी पर भरोसा जताया है। वहीं,

मध्यक्रम की जिम्मेदारी कप्तान हरमनप्रीत, जेमिमा, दीप्ति और ऋचा पर होगी। पूजा और श्रेयंका पर मैच फिनिश करने की जिम्मेदारी होगी। श्रेयंका को टीम में शामिल तो किया गया है, लेकिन टूर्नामेंट से पहले उनकी फिटनेस की जांच होगी। स्पिन की जिम्मेदारी अनुभवी दीप्ति, राधा और आशा के कंधों पर होगी।

महिला टी20 विश्व कप में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी। इन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमों को रखा गया है। वहीं, ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट से पहले 28 सितंबर से एक अक्तूबर तक 10 अभ्यास मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में हर एक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी, जिसमें हर ग्रुप से शीर्ष दो पर रहने वाली टीमें 17 और 18 अक्तूबर को सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसके बाद 20 अक्तूबर को दुबई में फाइनल होगा। सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे भी रखा गया है।

इस प्रकार है भारतीय महिला टीम

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारत की टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन। ट्रैवलिंग रिजर्व: उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, साइमा ठाकुर। नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व: राघवी बिष्ट, प्रिया मिश्रा।

मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे पर भारत अलर्ट, जांच के लिए बनाई पहली स्वदेशी आरटी-पीसीआर किट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में मंकीपॉक्स वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स को लेकर दुनियाभर में हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दी है। हालांकि, राहत की बात यह है कि भारत में अभी तक मंकीपॉक्स वायरस नहीं पहुंचा है। मगर इसके बढ़ते मामलों को देखते हुए इससे बचाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बीच, स्वास्थ्य उपकरण बनाने वाली एक भारतीय कंपनी ने दावा किया है कि उसने मंकीपॉक्स का पता लगाने वाली एक रियल टाइम किट तैयार की है।

मंकीपॉक्स से लड़ने के लिए एक बड़ी उपलब्धि: भारत के सीमेंस हेल्थिनर्स ने मंकीपॉक्स से लड़ने के लिए अपना स्वदेशी

आरटी-पीसीआर परीक्षण किट तैयार किया है। इस पर केंद्रीय सुरक्षा औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने भी मोहर लगा दी है। कंपनी ने कहा कि यह हमारी मेक इन इंडिया पहल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके अलावा, मंकीपॉक्स से लड़ने के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।'

हर साल करीब 10 लाख किट बनेंगी: भारतीय कंपनी सीमेंस हेल्थिनर्स ने बताया कि आरटी-पीसीआर परीक्षण किट को वडोदरा की एक इकाई में तैयार किया जाएगा। हर साल करीब 10 लाख किट बनाई जा सकेंगी। हम यह किट लोगों को उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।

तुरंत और सटीक पहचान को प्राथमिकता दे रहे: सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरिहरन सुब्रमण्यन ने कहा कि सही और सटीक निदान की आवश्यकता आज से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि भारत को मंकीपॉक्स से निपटने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई किट उपलब्ध कराकर हम इस बीमारी से लड़ने में सक्रिय रुख अपना रहे हैं। तुरंत और सटीक पहचान को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो वास्तव में जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ये किट देखभाल तक पहुंच में सुधार लाने पर हमारे फोकस का प्रमाण हैं और ये किट उस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार, परीक्षण के परिणाम 40 मिनट में उपलब्ध होंगे। कंपनी ने दावा किया, 'जिसके टेस्ट में एक से दो घंटे लगते हैं, उसका नतीजा मात्र 40 मिनट में उपलब्ध होगा।'

तय कर लीजिए रोजगार चाहिए या डिग्री

श्रीकंचनपथ

झारखंड के एक युवक की कहानी पढ़कर मन व्यथित हो गया। पर थोड़ी देर बाद ही हंसी आने लगी। शिक्षा का बाजार उन्हें और कितना ठगेगा? बच्चे को टॉप करवाने के लिए माता-पिता अपना सबकुछ दांव पर लगा देते हैं। ऐसा ही इस युवक के साथ भी हुआ। तीन-तीन पोस्ट ग्रेजुएशन कर चुका यह युवक पिछले कई सालों से राजकीय सेवा में जाने के लिए परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। उसकी पढ़ाई के लिए परिवार ने अपनी बकरियां बेच दीं, गाय-बैल भी बिक गए। कुछ दिनों बाद खेत भी बिक गए। युवक एवं उसके माता-पिता को लगता रहा कि सरकारी नौकरी अब मिली की तब मिली। उसने कई परीक्षाएं उत्तीर्ण भी कीं पर कभी पेपर लीक के बहाने तो कभी किसी और कारण से परीक्षाएं रद्द होती रहीं। परीक्षाओं को रद्द किये जाने के खिलाफ एक बार उसने झारखंड स्टेट सर्विस कमिशन के सामने प्रदर्शन किया तो पुलिस ने ढेर सारी धाराएं लगा दीं। अब इन धाराओं से पीछा छुड़ाने के लिए भी एक लाख रुपए चाहिए। पिछले कई सालों से वह रांची में ही पड़ा है। गांव लौटने का उसमें साहस नहीं है। वहां सबकुछ बर्बाद हो चुका है और यहां भी कोई उम्मीद नहीं। यह समस्या अकेले उस झारखंड वासी युवक की नहीं है। देश के अधिकांश भागों में शिक्षा और नौकरी को लेकर ऐसा ही रायता फैला हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में जाने के लिए कभी लोग बीएड कर रहे हैं तो कभी डीएलएड। कोई-कोई बीएड का बाद एमएड भी कर रहा है। बीच में एक झमेला शुरू हुआ नेट-सेट उत्तीर्ण करने का। लोगों ने इसे भी उत्तीर्ण कर लिया। पर सरकारी नौकरी नहीं मिली। आज लाखों की संख्या में पोस्ट ग्रेजुएट, नेट सेट क्वालिफाइड टीचर्स, पीएचडी धारक निजी क्षेत्र में नौकरी कर रहे हैं। इनमें से 80 फीसदी का वेतन 25 हजार या उससे भी कम है। एक तो समय पर वेतन नहीं मिलता, उसपर प्रताड़ना अलग। इधर घर में काम करने वाली भी अपनी शर्तों पर काम करती है। उसका काम छोटा हो सकता है पर वह अपने आत्मसम्मान के लिए लड़ना जानती है। उच्च शिक्षित लोगों में यह साहस कम ही दिखाई देता है। वो कुछ भी ऐसा करना या कहना नहीं चाहते जिससे मुश्किल से हाथ आई नौकरी गंवानी पड़े। छोटे काम वह कर नहीं सकता और बड़ा काम उसे कोई देता नहीं है। ऐसे में एक किस्सा याद आता है 1970 के दशक का। भिलाई का एक लड़का घर से भागकर मुम्बई पहुंचा। तीन-चार साल तक तो उसका कुछ भी पता नहीं चला। जब वह लौटा तो उसके ठाठ देखने लायक थे। मोहल्ले वालों को उसने यही बताया कि वह मुम्बई डॉक पर काम करता है। मगर दोस्तों को बताया कि वह चीकू बेचता है पर पिता के सामने कह नहीं सकता। यही हमारी सबसे बड़ी विडम्बना है। नौकर बनना व्यापारी बनने से ज्यादा सेफ समझा जाता है।

संपादकीय

बारूद की ढेर पर

दुनिया में कम से कम चार ऐसे संवेदनशील स्थान हैं, जहां से किसी भी समय बुरी खबर की आशंका बनी रहती है। इनमें से दो मोर्चों पर तो इन दिनों घातक युद्ध छिड़ा हुआ है। इजरायल अकेले ही कम से कम चार देशों के साथ सीधे मुठभेड़ की स्थिति में है, तो उधर रूस और यूक्रेन के बीच अंतहीन बर्बरता का सिलसिला जारी है। वैसे, बुरी खबरों से भी सावधान रहने की जरूरत है। जैसे सोमवार सुबह अचानक खबर आई कि रूस के साराटोव शहर में एक ऊंची इमारत को यूक्रेन ने ड्रोन हमले में ठीक उसी तरह गिरा दिया, जैसे 9/11 को अमेरिका में अल कायदा ने वर्ल्ड ट्रेड टावर को गिराया था। साथ ही, यह भी अफवाह फैलाई गई कि यह रूस की सबसे ऊंची इमारत है।

> वास्तव में, 38 मंजिल की इस इमारत पर हुए हमले में केवल एक महिला की मौत बताई जा रही है। हालांकि, जल्दी ही इस खबर ने अपना महत्व गंवा दिया। जहां यूक्रेन ने रूस पर कुछ वार किए, वहीं रूस ने यूक्रेन की कुछ जगहों पर मिसाइलों की वर्षा कर दी। अपनी नीति के अनुरूप रूस यूक्रेन पर घातक वार कर रहा है। गौर करने की बात है कि यूक्रेन से साराटोव शहर जितनी दूर है, लगभग उतनी ही दूर मास्को भी है। अगर मास्को में ऊंची इमारतों को निशाना बनाया गया, तो फिर रूस की आक्रामकता को रोकना मुश्किल हो जाएगा।

सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि जरूरत से ज्यादा आक्रामक और विघ्नसंतोषी तत्व रूस में भी होंगे और यूक्रेन में भी। अगर ऐसे तत्वों ने अराजकता का थोड़ा भी प्रदर्शन किया, तो युद्ध भड़कते देर नहीं लगेगी। ठीक यही बात पश्चिम एशिया में भी लागू होती है। ताकतवर ईरान सहित लगभग आधा दर्जन देश युद्ध से दुखी और आक्रामक हैं। अनेक देशों के धैर्य की परीक्षा हो रही है। अगर इन देशों के अराजक तत्वों ने एक भी निशाना गलत लगा दिया, तो फिर युद्ध को विकराल होने से कौन रोकेगा? आज दुनिया की जो स्थिति है, उसमें विश्व स्तर पर सत्ता और अर्थव्यवस्था के समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। ध्यान रहे, प्रथम विश्व युद्ध की वजहों में जर्मनी का उदय और ओटोमन साम्राज्य का पतन भी शामिल था। यूरोप में शक्ति संतुलन बिगड़ गया था और राष्ट्रों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्द्धा बहुत बढ़ गई थी। ऑस्ट्रो-हंगेरियन सिंहासन के एक उत्तराधिकारी की हत्या हुई और प्रथम विश्व युद्ध छिड़ गया। लगभग पांच साल तक दुनिया में खून की नदियां बहती रहीं। सरकारों से निपटा जा सकता है, पर खुरापातियों की गारंटी कौन लेगा? क्या युद्ध के मैदान में उतरा हुआ कोई देश ऐसी गारंटी दे सकता है?

दूसरा विश्व युद्ध तो परमाणु हमले की वजह से और ज्यादा भयावह हो गया था, पर परमाणु हमले की स्थिति क्यों आई? अगर अमेरिका युद्ध में सीधे न पड़ने की अपनी नीति पर चल रहा था, तब उसके पर्ल हार्बर बंदरगाह पर हमला बोलने की जापान को क्या जरूरत थी? किसी जापानी ने एक गलत फैसला लिया और अमेरिका ने युद्ध मैदान में कूदकर उसे ऐसा बर्बर रूप प्रदान कर दिया कि इंसान आज भी हिरोशिमा और नागासाकी की त्रासदी याद करके रोते हैं। दुनिया का वह हिस्सा पलक झपकते तबाह हो गया था। क्या दुनिया की महाशक्तियां आज भी वैसी विभीषिका की अभिलाषी हैं? क्या रूस, यूक्रेन, इजरायल, अमेरिका, चीन जैसे देश युद्ध-जनित तबाही को भूल गए हैं? आज युद्ध ही नहीं, युद्ध के हालात पर भी लगाम लगाने की कोशिश होनी चाहिए।

हमारी आंखों के तारे कृष्ण कन्हैया

हेमा मालिनी, सांसद व अभिनेत्री

भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधा मेरे आराध्य हैं। कन्हैया, माधव, श्याम, गोपाल, केशव, नंदलाल, वासुदेव ये सब कृष्ण के ही पावन नाम हैं। उन्होंने मथुरा क्षेत्र में जन्म लिया था, तो उनकी सेवा यहां लड्डू गोपाल के रूप में होती है। पहली बार घर से निकले, गाय चराने गए, तो गोपाल कहलाए। द्वारका जा बसे, तो द्वारकाधीश भी कहलाने लगे। कृष्ण कर्मयोगी भी हैं और आदर्श दार्शनिक भी। मेरी ज्यादातर नृत्य नाटिकाओं के केंद्र राधा-कृष्ण ही रहते हैं। आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भगवान लड्डू गोपाल के प्रेम में डूबने का पर्व है। जन्माष्टमी के लिए मेरे मन में बचपन से ही उत्साह रहा है। बचपन में जन्माष्टमी पर जो जीवन यात्रा खान-पान से शुरू हुई थी, वह कुछ ही समय बाद कृष्ण भक्ति तक पहुंच गई। छोटी उम्र में ही कन्हैया की एक मूर्ति मां ने मुझे दी थी। उसी मूर्ति की मैं आज भी सेवा करती हूं। हां, बाद में मैंने राधाजी की कमी को पूरा किया और अब मेरे मुंबई वाले घर पर भगवान राधा-कृष्ण, दोनों की पूजा होती है। इस दिन मैं ही नहीं, मेरा पूरा परिवार भगवान के प्रेम में डूबा रहता है। मैं तो स्वयं को भगवान की गोपी मानती हूं। आज के परिवेश को देखते हुए मैं यह चाहती हूं कि हर महिला का श्रीकृष्ण जैसा सखा हो, जो हर समय वैसे ही साथ रहे, जैसे द्रौपदी के साथ श्रीकृष्ण रहते थे।

अपने प्रभाव में अनुपम श्रीकृष्ण 16 कलाओं के ज्ञाता हैं, जिन्होंने गीता का उपदेश दिया, जिन्होंने जीवन का सार बताया, उनके द्वारा दिए गए उपदेश बहुत अच्छे लगते हैं। श्री कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने। प्रणतक्लेश नाशाय गोविन्दाय नमो नमः।। यह मंत्र बहुत अच्छा लगता है। श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेवा भजन भी मुझे बहुत अच्छा लगता है। मैंने जन्माष्टमी पर दो भजन गाए हैं। एक है- मैं कृष्ण के गुण गाऊं, मैं दर्शन उनका पाऊं , और दूसरा है- करो भरोसा कृष्ण चरण में, सदा रहूं मैं कृष्ण शरण में। बालक कृष्ण को आप जितना भी याद कीजिए, मन नहीं भरता। उनकी बांसुरी की धुन सुनकर गोपियां ही नहीं, गायें भी उनकी ओर खिंची चली आती थीं। सुध-बुध खो बैठती थीं। श्रीकृष्ण को दो चीजें सबसे ज्यादा प्रिय थीं, एक बांसुरी और दूसरी राधा रानी। नटराज भगवान शिव हैं, पर नटवर नागर भगवान श्रीकृष्ण हैं। उन्होंने महारास से भी संसार को संदेश दिया। उस महारास को देखने के लिए देवता भी किसी न किसी रूप में पहुंच गए थे। श्रीकृष्ण नृत्य, संगीत ही नहीं, राजनीति में भी निपुण हैं। गुणों, कलाओं से ही उनका सौंदर्य बनता है। यदि ध्यान दिया जाए, तो आज भी हर अच्छे, शक्तिशाली और खूबसूरत इंसान में भगवान की छवि दिखती है। ऐसे इंसान को अपना आचरण भी भगवान के अनुरूप ही रखना चाहिए। उसे समझना चाहिए कि वह बड़ा है, क्योंकि भगवान ने ही उसे सब कुछ दिया है।

वैसे तो मुझे श्रीकृष्ण का पूरा जीवन ही लुभावना लगता है, पर राधा और द्रौपदी के साथ बीते उनके पल मुझे सबसे ज्यादा प्रिय हैं। राधा के साथ उनके प्रेम और द्रौपदी के साथ उनके सखा धर्म को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सखा बनकर ही भगवान ने द्रौपदी की लाज बचाई थी। हमें भी कृष्ण जैसा ही सखा भाव रखना चाहिए। देश की स्त्रियों को आज सखा भाव की ज्यादा जरूरत है। पुरुषों को भी सखा बनकर स्त्रियों का साथ देना चाहिए। जब मैं राधा-कृष्ण से संबंधित नृत्य नाटिका प्रस्तुत करती हूं, तब मैं भगवान के भाव में डूब जाती हूं। तब मैं हेमामालिनी नहीं, बल्कि राधा या कृष्ण के किसी स्वरूप में ढल जाती हूं। उस समय जो भी हो रहा होता है, सब नटवर नागर ही कराते हैं। कदम अपने आप थिरकते हैं और भाव-भंगिमाएं भी कन्हैया की ही देन होती हैं। विदेश की बात करूं, तो वहां जब नृत्य नाटिका के बाद मंच से उतरती हूं, तो कई बार लोग चरण छूने लगते हैं। लोग कहते हैं कि आपकी नृत्य नाटिका देखकर ऐसा लगा कि हम वृंदावन पहुंच गए। कई लोगों की आंखों से आंसू भी बहने लगते हैं।

निस्संदेह, गीता जीवन का सार है। हमें गीता में दिए गए उपदेशों को अपने जीवन में उतार लेना चाहिए। अगर हमने ऐसा थोड़ा सा भी कर लिया, तो समझिए कन्हैया या सखा भाव को पा लिया। सदा ध्यान रखना चाहिए कि भगवान्त्रियों का कितना आदर करने वाले हैं। वह जिस तरह से अपने सखा और स्नेही जनों की सहायता करते हैं, उसका कोई जोड़ नहीं है। उनसे जरूर सीखना चाहिए। माता-पिता को अपने पुत्रों को श्रीकृष्ण जैसा बनाना चाहिए, जिससे समाज में राक्षसी प्रवृत्ति का अंत हो। कोई कभी किसी महिला का अपमान न कर सके, बल्कि सब आगे बढ़कर महिलाओं की रक्षा करें।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

नजरिया

ताकि पेंशन सही मायने में दे सके सामाजिक सुरक्षा

बुजुर्गों के लिए पेंशन एक सामाजिक सुरक्षा है। नई पेंशन योजना (एनपीएस) में चूंकि शेयर बाजार या अन्य वित्तीय संस्थानों में निवेश का प्रावधान था, इसलिए इसमें पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) जैसी सुरक्षा थी।

अरुण कुमार, अर्थशास्त्री

फिर, ओपीएस में सरकार अपने बजट से पेंशन देती थी, लेकिन एनपीएस में यह प्रावधान हटा दिया गया था और बाजार में निवेश के बाद मिले रिटर्न के अनुपात में पेंशन का लाभ दिया जाता था, जो रकम अमूमन पुरानी पेंशन से कम होती थी। यही कारण है कि सरकारी कर्मी नई पेंशन योजना का विरोध व पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग कर रहे थे।

यूपीएस के लाभ-हानि को समझने के लिए पेंशन की मूल संकल्पना को समझना आवश्यक है। भारत में 1930 के दशक में 58 साल में सेवानिवृत्ति की बात कही गई और वही पुरानी पेंशन योजना का आधार भी बनी। उस समय भारतीयों की औसत उम्र 35 साल होती थी। इसका मतलब था कि बहुत कम लोग ही 58 या 60 साल से अधिक जी पाते थे। ऐसे लोगों की संख्या बमुश्किल चार-पांच प्रतिशत होती थी। इस कारण सरकार को पेंशन भी बहुत कम लोगों को देनी पड़ती थी। अब भारतीयों की जीवन-प्रत्याशा काफी बढ़ गई है और 80-85 साल तक लोग जीने लगे हैं। इसका अर्थ है कि 60 साल में सेवानिवृत्त होने वाले व्यक्ति को अगले दो-ढाई दशकों तक सुरक्षा देने की अनिवार्यता है। यही विसंगति सरकारी खजाने पर भारी पड़ने लगी है और पेंशन नीति में सुधार की मांग होने लगी है।

इस समस्या का एक निराकरण हम शिक्षकों ने कुछ वर्ष पूर्व सुझाया था। दरअसल, हमारा मानना है कि जो लोग सरकारी सेवा में हैं, वे सेवानिवृत्ति के बाद या तो निजी क्षेत्र में काम करने लगते हैं या खुद का अपना कोई धंधा शुरू कर देते हैं। वे इतने कुशल होते भी हैं। यही कारण है कि हमने सेवानिवृत्ति की उम्र 70 साल करने की मांग की। शिक्षकों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 65 साल है और अगर वे चाहें, तो अगले पांच साल के लिए भी उनकी सेवा बरकरार रखी जा सकती है। इसका फायदा कर्मियों को भी होता है और सरकार को भी। सरकार को जहां तुलनात्मक रूप से कम वर्षों के लिए पेंशन देनी पड़ती है, वहीं ज्यादा साल तक सेवा देने के कारण कर्मियों की बचत ज्यादा होती है।

इसके खिलाफ एक तर्क यह दिया गया था कि इससे बेरोजगारों के लिए अवसर घट जाएंगे, इसलिए हमने श्रमबल में सरकारी कर्मियों की संख्या बढ़ाने का भी सुझाव दिया था। दरअसल, हमारे देश में करीब 60 करोड़ लोगों के हाथों में रोजगार है, जिनमें से 1.8 करोड़ सरकारी मुलाजिम हैं, यानी कुल कामगारों में तीन प्रतिशत हिस्सा ही सरकारी कर्मचारियों का है, जबकि अन्य देशों में यह आंकड़ा छह से लेकर 10 प्रतिशत तक है। ऐसे में, अगर हम श्रमबल में सरकारी कर्मियों की संख्या बढ़ाने का काम करें, तो नौजवानों को रोजगार भी मिलेगा और सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ने का कथित नुकसान भी नहीं होगा। सरकार चाहे, तो इसकी शुरुआत उन 10 लाख सरकारी पदों को भरने के साथ कर सकती है, जो इस वक्त रिक्त पड़े हुए हैं। रही बात संसाधन जुटाने की, तो इसके लिए प्रत्यक्ष कर और जीडीपी का अनुपात बढ़ाने पर काम होना चाहिए। यह अनुपात अभी सवा छह प्रतिशत ही है। संसाधान जुटाकर हम असंगठित क्षेत्र को भी पेंशन का लाभ दे सकेंगे।

इसी कारण एकीकृत पेंशन योजना में सुधार की मांग जोर पकड़ने लगी है। इसमें न सेवानिवृत्ति-आयु बढ़ाने की बात कही गई है और न प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात को लेकर कुछ कहा गया है। फिर अन्य पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति/ जनजाति के नौजवान 35-40 साल तक सरकारी नौकरी के लिए पात्र होते हैं, तो 58 या 60 साल में सेवानिवृत्ति से 25 साल तक वे सेवा देने में सक्षम नहीं होंगे और पूर्ण पेंशन का लाभ नहीं उठा सकेंगे। इसी तरह, न्यूनतम 10 साल की सेवा देने वालों को 10 हजार रुपये पेंशन देने की बात इसमें कही गई है, पर मुमकिन है, इस अवधि के बाद लोग बेहतर मौके की तलाश में जुट जाएं और दोनों लाभ उठाने लगें। जाहिर है, इन विसंगतियों को दूर करके ही हम सामाजिक सुरक्षा का सही लाभ कर्मचारियों को दे सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नतीजा आश्चर्यजनक होगा

श्रुति व्यास

डेमोक्रेटिक पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन (डीएनसी) सचमुच एक थ्रिलर था। उसमें नाटकीयता थी, उल्लास था, दुःख और खुशी के आंसू थे और खूब शोर-शराबा तथा कोलाहल था। और मीम्स, रील्स और जीआईएफ्स के लिए ढेर सारा मसाला भी। सेलिब्रिटीज और राजनीतिज्ञों की मौजूदगी के बावजूद बहुत से आम लोग भी डीएनसी के मंच पर आए। उन्होंने अपनी पीड़ा और व्यथा, अपनी उम्मीदें और अरमान जाहिर किए। गाजा के लोगों के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में संगीतकार एवं गायक स्टीव वंडर ने वहां मौजूद लोगों से कहा, गुस्से की बजाय आनंद का वरण करें। सही में अर्श से लेकर फर्श तक असली प्रजातंत्र का सम्मेलन में मजा था।

आज डेमोक्रेटिक पार्टी का चार-दिवसीय सम्मेलन समाप्त होगा। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक टिम वाल्ज़ जोशीले भाषण के बाद, तालियों की गडगड़ाहट के बीच पार्टी के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार का नामांकन स्वीकार कर चुके थे। आज ही देर रात कमला हैरिस भी जोश एवं जबरदस्त उम्मीदों से लबरेज सभाकक्ष में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी स्वीकार करेंगीं। इसके बाद व्हाईट हाउस के लिए दौड़ आधिकारिक रूप से प्रारंभ होगी। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए एक नई सुबह जैसा होगा। एक माह पहले तक जो पार्टी कमजोर, विभाजित और अस्त-व्यस्त नजर थी और लग रहा था कि वह डोनाल्ड ट्रंप से मुकाबले में बहुत पिछड़ रही है, वह इन चार दिनों के पुनर्जीवित होती और उत्साह भरी लग रही है। स्थिति में आया यह जबरदस्त सुधार, जो बहुत जरूरी था, अद्भुत और विलक्षण है।

डेमोक्रेट्स नें आखिकार ट्रम्प कैंप पर ज़ोरदार हमला बोल दिया। डीएनसी की इन चार रातों में काफी मजबूती से डोनाल्ड ट्रंप पर तीखे प्रहार हुए। राष्ट्रपति बाइडन की राजनैतिक पारी की अश्रुपूर्ण और भावुकतापूर्ण विदाई के साथ-साथ सम्मेलन में कई अनुभवी और पुराने नेताओं की तीखी टिप्पणियां सुनने को मिलीं- हिलेरी से लेकर बराक और बिल तक की, जिन्होंने ट्रम्प के परखच्चे उडने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। उनके हमले तीखे होते हुए भी विनोदपूर्ण थे; उनके कटाक्ष ट्रम्प को आईना दिखने वाले थे। सम्मेलन में ट्रंप पर जोरदार और पूरी ताकत से हमला बोला गया। इन पुराने नेताओं ने ट्रम्प का जम कर मखौल बनाया और हाल के अन्दर और बाहर के लोगों ने इसका भरपूर मज़ा लिया।

बराक ओबामा अब भी जीक्यू (अमेरिका की एक प्रसिद्ध फैशन पत्रिका) के मुखपृष्ठ पर छपने लायक दिख रहे थे। उन्होंने जब ट्रम्प के भीड़ के आकार के प्रति सनक की हद तक कि आसक्ति का ज़िक्र किया, तो भीड़ लगभग पागल हो गई। जब 78 वर्षीय बिल क्लिंटन (जो आज भी उतने ही स्फूर्ति भरे हैं जितने 40-45 की उम्र में थे) ने मजाकिया लहजे में कहा कि वे अभी भी डोनाल्ड ट्रंप से कम उम्र के हैं, तो सभा भवन ठहाकों में डूब गया और सबसे जोरदार ठहाके युवाओं के थे। उन्होंने क्लिंटन के इस कथन पर सिर हिलाकर सहमति दर्शाई, कि जब आप अगली बार ट्रंप को भाषण देते हुए सुनें तो उनके झूठों को मत गिनना बल्कि यह गिनना कि वे कितनी बार मैं कहते हैं। जब मिशेल ओबामा ने कहा उन्हें यह कौन बताएगा कि वे इस समय जो पद हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं, उस पर अश्वेतों का हक है तो भीड़ ने जबरदस्त नारेबाजी करके अपनी सहमति व्यक्त की। लेकिन सबसे ज़ोरदार तालियाँ तब बजीं जब हिलेरी क्लिंटन ने कहा कि कमला हैरिस अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनकर एक मज़बूत दीवार को धराशायी करेंगी।

प्रतिद्वंद्वी पर किए गए इन हमलों के साथ ही कमला हैरिस-वेल्ज़ के प्रति सर्वसम्मत और दृढ़ समर्थन का इजहार भी है। हर डेमोक्रेट ने वाकपटुता के साथ कमला हैरिस की योग्यताओं और व्यक्तित्व, अर्थव्यवस्था संबंधी उनकी योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं व गर्भपात जैसे मसलों, जिन पर पार्टी को जनता का व्यापक समर्थन हासिल है, की चर्चा की। शिकागो से उत्सर्जित हो रही ऊर्जा ने दिल्ली के मेरे कमरे को टेलीविजन् से निकल रहे नीले और लाल रंगों से सराबोर कर दिया। कमला हैरिस के राष्ट्रपति बनने की सम्भावना से भीड़ उन्मादित लग रही थी। ऐसा लग रहा था मानों सबको यह विश्वास था कि दुनिया के सबसे पुराने प्रजातंत्र की सबसे पुरानी पार्टी मुकाबले के लिए पूरी तरह तत्पर और तैयार है।

शिकागो खुशी का माहौल बना हुआ है। इसी शहर में 1968 में हुए अराजकतापूर्ण सम्मेलन की कहानी दुहराए जाने का भय लगभग खत्म है। तब की कड़वाहट और मतभेदों के विपरीत इस बार एकता और उत्साह नजर आ रहा है। बुजुर्ग और पुराने नेताओं ने बहुत खूबसूरती और परिष्कृत ढंग से वह किया जिसे करने की अपेक्षा उनसे लंबे समय से की जा रही थी। उन्होंने अपने समय के हास-परिहास और हल्के-फुल्के माहौल को पुनर्जीवित कर दिया जो निराशा, असंतोष और घबराहट के बीच कहीं गुम हो गया था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि 1968 के इसी शहर में हुए उथल-पुथल भरे सम्मेलन की कहानी इस बार न दुहराई जाए। उन्होंने पार्टी और उसके युवा मतदाताओं और समर्थकों को उत्साह से भरने और उनमें नई उम्मीदें जगाने वाली टिप्पणियां कीं। मगर उम्मीद के साथ सावधान रहने की ज़रुरत पर भी बल दिया गया और जीत सुनिश्चित मान कर घर बैठने के खिलाफ चेताया गया।

डीएनसी से अमेरिका के आने वाले 75 दिन कैसे होंगे, इसका प्रीव्यू दे दिया है। वे रोमांचक और उत्तेजक होंगे और उम्मीद भरे व कष्टपूर्ण भी। कटु हमले होंगे, दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमलावर होंगे, पुराने को त्यागा जायेगा और नए को गले लगाया जायेगा। माहौल सनसनी भरा होगा। जो बाइडन की उम्मीदवारी से जुड़ा विषाद समाप्त हो चुका है क्योंकि ओपिनियन पोल्स स्विंग वाले राज्यों में हैरिस को रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप से थोड़ा आगे बता रहे हैं। हैरिस का समर्थन करने वालों की संख्या बढ़ रही है। मगर यह सवाल है कि क्या उत्साह कायम रहेगा? राजनीति में कुछ भी हो सकता है। लेकिन एक बात निश्चित है यह चुनाव अन्य चुनावों से अलग होगा। और इसका नतीजा आश्चर्यजनक होगा, जो बहुत लंबे समय से नहीं हुआ है।

(ये लेखक के विचार हैं)

ढोल बजाना जोखिम मोल लेना

साल 1990 के बाद से सिर्फ 34 मध्य आय वाले देश ही उच्च-आय वाले देशों की श्रेणी में शामिल हो सके। बाकी मिडल इनकम ट्रैप में फंस कर रह गए। विश्व बैंक के मुताबिक भारत को इस तजुर्बे से सीख लेनी चाहिए।

विश्व बैंक ने भारत को माकूल चेतावनी दी है। कहा है कि 100 से अधिक देशों को उच्च-आय वाला देश बनने की राह में गंभीर बाधाओं से रू-ब-रू होना पड़ सकता है। इनमें भारत भी है। बैंक ने ऐसे देशों को मध्यम-आय के जाल' से बचने की सलाह दी है। वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2024 द मिडल इनकम ट्रैप में कहा गया है कि जब देश अमीर होते हैं, तो एक हद पर आकर उनकी प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि ठहर जाती है। ऐसा कुछ ठोस वजहों और कुछ नीतिगत अस्थिरता के कारण होता है। बैंक ने ध्यान दिलाया है कि 1990 के बाद से केवल 34 मध्य आय वाले देश ही उच्च-आय वाले देशों की श्रेणी में जा सके। इनमें से एक तिहाई से अधिक देश वे हैं, जो यूरोपीय संघ में शामिल हुए या फिर वे देश हैं, जहां तेल के भंडार मिले। विश्व बैंक के मुताबिक भारत को इस तजुर्बे से सीख लेनी चाहिए। भारत अपने आर्थिक विकास के महत्त्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। भारत दुनिया की सबसे गतिशील अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

मगर भारत को कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। ये चुनौतियां उसकी प्रगति को बाधित कर सकती हैं। मसलन, छोटे व्यवसायों की चुनौती देश के लिए एक बड़ी बाधा बन सकती है। भारत में आम तजुर्बा यह है कि छोटी कंपनियों के आगे बढने में कठिनाई पेश आती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 90 फीसदी कंपनियों में पांच से कम कर्मचारी हैं। उनमें से कुछ ही कंपनियां 10 से अधिक कर्मचारियों तक बढ़ पाती हैं। यह प्रवृत्ति भारतीय व्यवसायिक माहौल में नियम और बाजार संबंधी बाधाओं का संकेत देती है। कहा गया है कि भारत का मानव संसाधन उसकी सबसे बड़ी संपत्तियों में एक है, मगर प्रतिभाओं के पलायन की चुनौती उसके लिए चिंता का विषय है। इसलिए बैंक ने सुझाव दिया है कि भारत को उच्च कुशल श्रमिकों को प्रशिक्षित करने की क्षमता बढ़ानी चाहिए। बेशक इस रिपोर्ट में कई पहलू हैं, जिन पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। चुनौतियों को नजरअंदाज कर सिर्फ ढोल बजाना अपने लिए जोखिम मोल लेना साबित होगा।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

ग्लोबल वार्मिंग बढ़ा रही है पेयजल संकट

ज्ञानेन्द्र रावत

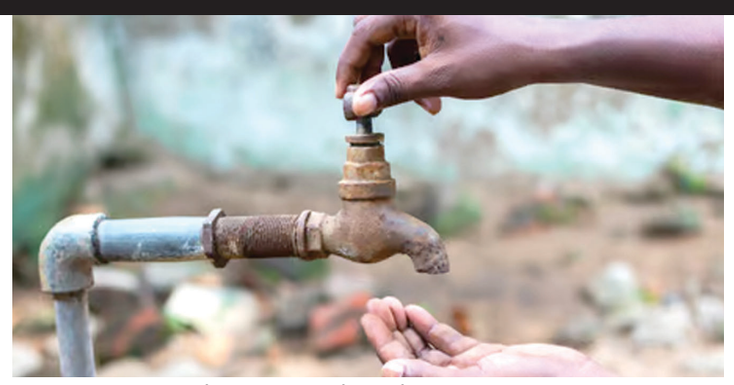

दुनिया में पेयजल की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल होती जा रही है। इसका भयावह स्तर इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि आज लगभग 4.4 अरब लोग पीने के साफ पानी से वंचित हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा 135 देशों में किए गए अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि वास्तविक संख्या पहले से बताए गए आंकड़ों से दोगुनी है। यह स्थिति एक चेतावनी है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्वाटिक साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता एस्टर ग्रीनबुड के अनुसार, यह स्थिति अत्यंत भयावह और अस्वीकार्य है कि इतनी बड़ी वैश्विक आबादी को पीने के साफ पानी तक पहुंच नहीं है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद दुनिया की सरकारें पेयजल की सुरक्षा और जल संचय के प्रति गंभीरता से क्यों नहीं सोच रही हैं, यह समझ से परे है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि जल संकट वैश्विक स्तर पर एक गंभीर समस्या बन जाएगी और अगर अभी से पानी की बर्बादी पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और जल संरक्षण के उपाय नहीं किए गए, तो स्थिति और बिगड़ सकती है, जिसकी भरपाई असंभव हो जाएगी।

गौरतलब है कि पानी के मामले में सबसे बड़ा संकट आंकड़ों की कमी है, जो दर्शाता है कि वैश्विक स्तर पर सरकारी नाकामियों का खुलासा हो रहा है। यह तथ्य साबित करता है कि आज भी बहुत कम लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध है। वैज्ञानिक एस्टर ग्रीनबुड के अनुसार, वैश्विक आबादी के केवल आधे हिस्से के लिए ही जल गुणवत्ता से संबंधित आंकड़े उपलब्ध हैं। अमीर देशों के पास भी पानी के स्पष्ट आंकड़े नहीं हैं। ऐसे में, अभावग्रस्त देशों के लोगों को साफ पानी की पहुंच मिल पाना संदेहास्पद है। यह स्थिति दिखाती है कि दुनिया अपने बुनियादी लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी पीछे है, जो अच्छे संकेत नहीं हैं।

इन हालातों में, 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव कल्याण में सुधार के लिए सतत विकास लक्ष्य के तहत सभी के लिए 2030 तक सुरक्षित और किफायती पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य अब एक सपना ही प्रतीत होता है। इंटरनेशनल ग्राउंड वाटर रिसोर्स असेसमेंट सेंटर के अनुसार, आज भी पूरी दुनिया में लगभग 270 करोड़ लोग हैं जो साल भर में करीब तीस दिन पानी की किल्लत का सामना करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यदि अगले तीन दशकों में पानी का उपभोग केवल एक प्रतिशत की दर से भी बढ़ेगा, तो दुनिया को एक बड़े जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। वैज्ञानिकों की मानें तो साफपानी की पहुंच से दूर देशों के मामले में दक्षिण एशिया शीर्ष पर है, जहां 1200 मिलियन लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं उपसहारा अफ्रीकी, दक्षिण पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिकी देश के लोग साफ पानी से महरूम हैं। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में पानी में दूषित पदार्थों की मौजूदगी सबसे बड़ी समस्या है।

गौर करने वाली बात यह है कि 2020 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में लगभग 33 प्रतिशत लोग साफ पानी से वंचित थे, जबकि वर्तमान में एशिया में लगभग 61 प्रतिशत आबादी, अफ्रीका में 25 प्रतिशत, अमेरिका में 11 प्रतिशत और यूरोप में 3 प्रतिशत आबादी साफ पानी की कमी से जूझ रही है। भारत की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 35 मिलियन से अधिक लोग साफ पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। नीति आयोग के अनुसार, यह आंकड़ा 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकता है। यूनिसेफ के अनुसार, भारत में 1.96 करोड़ आवासों में जो पानी उपलब्ध है, उसमें फ्लोराइड और आर्सेनिक की मात्रा अत्यधिक है, जिसके कारण जलजनित रोगों पर सालाना 42 अरब रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

यह जगजाहिर है कि जल हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से प्रभाव डालता है। जल संकट के कारण एक ओर कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है। विश्व बैंक का अनुमान है कि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न जल संकट से 2050 तक वैश्विक जीडीपी को 6 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। इस वैश्विक समस्या के लिए मानवीय गतिविधियां, जिनमें लोभ, स्वार्थ और भौतिकवादी जीवनशैली का अहम योगदान है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए, तो आज भी दो अरब लोगों, यानी 26 प्रतिशत आबादी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पूरी दुनिया में 436 मिलियन और भारत में 133.8 मिलियन बच्चे ऐसे हैं जिनके पास हर दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है।

यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते हालात और खराब होने की आशंका है। दुनिया में हर तीन में से एक बच्चा, यानी 739 मिलियन बच्चे पानी की कमी वाले इलाकों में रह रहे हैं। जल संकट के लिए अत्यंत संवेदनशील 37 देशों की सूची में भारत भी शामिल है। यूनिसेफकी रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक भारत में मौजूद जल का 40 प्रतिशत हिस्सा खत्म हो सकता है। यह चिंता का विषय है।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

- TDS रिफंड
- GST रजिस्ट्रेशन
- इनकम TAX फाइल
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- MSME रजिस्ट्रेशन
- GST रिटर्न फाइल
- CMA DATE
- फूड लाइसेंस
- BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544

D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

उत्कृष्टता के पैमाने पर खरा उतरा एसआर हॉस्पिटल, मिली एनएबीएच की मान्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के प्रतिष्ठित अस्पतालों में शामिल चिखली स्थित एसआर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने एक बार फिर से अपनी उत्कृष्टता साबित की है। अस्पताल की सुविधाओं व यहां की चिकित्सा व्यवस्था की गुणवत्ता को देखते हुए नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॅर हॉस्पिटल्स ऐंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (National Accreditation Board for Hospitals and Healthcare Providers) ने इसे मान्यता दी है।

बता दें दुर्ग भिलाई के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सा व्यवस्था के लिए एसआर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर का नाम लिया जाता है। यह अस्पताल दुर्ग जिले का सबसे बड़ा 180 बिस्तरों का सुपर स्पेशलिटी एवं सर्वसुविधा युक्त अस्पताल है।

अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना एवं ESIC योजना व भारतीय रेल्वे एवं केन्द्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारीओं व विभिन्न हेल्थ इन्श्योरेन्स कम्पनी के हितग्राही मरीजों को कैशलेस ईलाज मुहैय्या कराया जा रहा है। अस्पताल मे ICU एवं NICU व अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध है।

अस्पताल की उत्कृष्ट सेवा के लिए मिली मान्यता

नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स ऐंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (NABH) द्वारा एनेस्थीसिया कार्डीओलाजी जनरल मेडीसीन जनरल सर्जरी, आर्थो पिडियाट्रीक आप्स एण्ड गायनीक आण्थलमिक, बर्न एण्ड प्लास्टीक न्युरो सर्जरी, न्युरोलॉजी डेन्टल युरोलॉजी व अन्य विभागों के लिए NABH की मान्यता प्रदान की गई है। एसआर हॉस्पिटल (SR HOSPITAL) के मेडीकल सुप्रिटेन्डेन्ट डॉ एसपी केसरवानी ने बताया कि अस्पताल प्रबन्धन द्वारा NABH के सभी नियमों व निर्देशों का पालन किया जाता है जिससे हमारे अस्पताल को NABH की मान्यता प्राप्त हुई है। एसआर हॉस्पिटल (SR HOSPITAL) के चेयरमेन संजय तिवारी ने इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों के साथ एस आर परिवार के सभी सदस्यों को बधाई दी है।

जानिए क्या है NABH की मान्यता

NABH यानी नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स ऐंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (National Accreditation Board for Hospitals and Healthcare Providers) है। यह भारत का एक स्वायत्त संगठन है। इसका मकसद स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के लिए उत्कृष्टता के मानक तय करना और उन्हें बनाए रखना है। यह भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) का एक घटक बोर्ड है और इसकी स्थापना स्वास्थ्य सेवा संगठनों के लिए प्रत्यायन कार्यक्रम बनाने और चलाने के लिए की गई थी। यह देश भर के अस्पतालों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मान्यता देता है। एसआर हॉस्पिटल को एनएबीएच की मान्यता मिलना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

स्कूल में खेल गतिविधि के लिए एक लाख रुपये देने की घोषणा की

दुर्ग। प्रदेश के राजस्व, खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा आज दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड के अंतर्गत ग्राम जामगांव आर में सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल के स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने स्कूल के 34वां स्थापना दिवस पर सभी को बधाई दी। उन्होंने सभी को कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी। उन्होंने कहा यह स्कूल आदर्श नागरिक बनाने का कार्य करता है। संस्कारवान विद्यार्थी यहां की देन है। यह स्कूल गुरुकुल से कम नही है। एक विचार हमारे जीवन को बदल सकती है। एक विचार समाज मे क्रांति ला सकती है। विचार हमारी जिंदगी बदल देती है। मंत्री वर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि संगति अच्छे सकारात्मक सोच वाले से कीजिये जो आपके विचार को प्रभावित कर सके। मांग पर उन्होंने स्कूल में खेल गतिविधि को बढ़ाने 1 लाख रुपये की घोषणा की।

एक पेड़ मां के नामः पुलिस लाइन में 2005 बैच के पुलिस कर्मियों ने रोपे 22 पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस बल के पुलिस विभाग में सेवा के शानदार 19 साल पूरे करने वाले 2005 बैच के पुलिस कर्मियों ने सोमवार को एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण किया गया।

पुलिस लाइन दुर्ग में छ्स्क्क चंद्रप्रकाश तिवारी व रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा सर के मार्गदर्शन मे 22 पौधों रोप कर सुरक्षा जाली लगाया गया। जिसमें मुख्य रूप से डीएसपी चंद्रप्रकाश तिवारी, आरआई नीलकंठ वर्मा, 2005 बैच से ASI (M) गजानंद गौतम, प्रधान आरक्षक सुरेश ध्रुव, गौर सिंग वर्मा, जावेद खान, पुनम चंद, देवानंद साहू, सत्येंद्र मढरिया, सिद्धार्थ तिवारी, रोहित कर्माकर, मो अहफाज खान, बालकिशन यादव, आरक्षक जगजीत सिंग, दशरथ पटौदी, अनुप साहू, क्रांति शर्मा, खुर्शीद खुर्रम बक्स और कमलेश देशमुख उपस्थित रहे ।

खास खबर

22वां छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन प्रतियोगिता में शामिल हुए विधायक ललित चंद्राकर

दुर्ग। भिलाई छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ रायपुर द्वारा आयोजित महाराष्ट्र मंडल सेक्टर 4 पावर हाउस भिलाई में 22वां छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन प्रतियोगिता का शुभारंभ के मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष छ.ग. प्रदेश वेटलिफ्टिंग संघ, विजय बघेल ने किया ।विधिवत दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभी खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा जीवन में खेलों का महत्व सिर्फ़ फ़िटनेस तक ही सीमित नहीं है। इसके कई फ़ायदे हैं, जिसमें ख़ाली समय का उत्पादक उपयोग शामिल है। और यह मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

चण्डी शीतला मंडल में सदस्यता अभियान कार्यशाला सम्पन्न

दुर्ग। भाजपा का राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान 1 सितम्बर से प्रारंभ होने जा रहा है। इसी तारतम्य में प्रदेश एवं जिला भाजपा नेतृत्व के निर्देशानुसार सदस्यता अभियान पर मंडल कार्यशाला का आयोजन चण्डी शीतला मंडल में ट्विंकल किड्स स्कूल में रखा गया। जिसमें मुख्य वक्ता सुरेन्द्र कौशिक एवं ज़िला सदस्यता अभियान के संयोजक राजेन्द्र पाध्देय ने सदस्यता अभियान पर मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को बिंदुवा सदस्यता अभियान हेतु प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुये मंडल अध्यक्ष विजय ताम्रकार द्वारा सदस्यता अभियान पर बनाये गये कार्य रचना पर जानकारी दी।

दुनिया के प्रथम कथावाचक है भगवान श्रीकृष्ण जी-गजेंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर विधायक गजेंद्र यादव ने भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर प्रदेशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। जन्माष्टमी पर शहर में विविध आयोजन में शामिल हुए पर्व के महत्व पर जानकारी दिए। उरला में ग्वालीन सहायता समूह द्वारा आयोजित जन्माष्टमी पर विधायक श्री यादव ने बच्चों के साथ आठे कन्हैया बनाये। शाम को युवाओ की टोली द्वारा मटकीफोड़ कार्यक्रम में भी शामिल हुए भारतीय त्यौहार को पूरे उत्साह व उमंग से मनाने आव्हान किये।

जन्माष्टमी के अवसर पर शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम में विधायक गजेंद्र यादव शामिल हुए। उरला में ग्वालीन स्व सहायता समूह द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जी के पूजा पश्चात जन्माष्टमी पर मोर पंख से आठे बनाने के महत्व को बताये। राधा रानी को मोर बहुत प्रिय था। विधायक श्री यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चियों को महूर घोल से मोर पंख के जरिये आठे बनाना सिखाये। नयापारा में यादव भवन में कार्यक्रम में श्रीकृष्ण जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर माखन मिश्री का भोग

लगाकर प्रदेश की जनता की खुशहाली और तरक्की के लिए भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना किये। उपस्थितजन को सम्बोधित करते हुए घर में पूजा स्थान पर लड्डू गोपाल रखकर नित्य पूजन करने प्रेरित किये। उन्होंने कहा की दुनिया के प्रथम कथावाचक श्रीकृष्ण जी है जिन्होंने गीता के माध्यम से पूरे जगत ज्ञान की बाते एवं जीवन हमें प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ना और जीतना सिखाया। श्रीकृष्ण जी जगत के पालनहार है। भगवान भाव के भूखे होते है। अधर्म पर धर्म की विजय और प्रेम, भक्ति, और ज्ञान का संदेश कृष्ण जी ने ही दिया है। इस दौरान सभापति राजेश यादव, वार्ड पार्षद चमेली साहू, पार्षद मनीष साहू, श्रीमति रश्मि यादव, रूपा यादव, मुन्ना, जनक यादव, संतराम, गोरेलाल यादव सहित सामजिकगण उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में राधे-कृष्ण की चैतन्य झाँकी का शुभारंभ

मनुष्य अपने पाप-पुण्य कर्मों का स्वयं भागी होता है जिसका फल उसे भोगना ही पड़ता है: प्रेम कुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर राधे-कृष्ण की चैतन्य झांकी का शुभारंभ हुआ। इस झांकी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेम कुमार (अपर प्रधान, मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी रायपुर छत्तीसगढ़), रुचिका जैन (जयश्री आईल मिल), कमलेश पवार (एचआर, अमलगम फैक्ट्री रसमड़ा), और आर.एल. ठाकुर (संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग दुर्ग) सम्मिलित हुए। ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा बहन और वरिष्ठ शिक्षिका रूपाली बहन के सानिध्य में सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर झांकी का शुभारंभ किया। प्रेम कुमार जी ने अपनी उद्बोधन में कहा, श्री कृष्ण से हमें यह शिक्षा

मिलती है कि मनुष्य अपने पाप-पुण्य कर्मों का स्वयं भागी होता है जिसका फल उसे भोगना ही पड़ता है।

रुचिका जैन ने सभी आए हुए अतिथियों को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए अपना अनुभव बताया, आनंद सरोवर में आने से एक अलौकिक शांति की अनुभूति हुई। आर.एल. ठाकुर ने कहा चैतन्य झांकी प्रारंभ होने के पूर्व ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन का वीडियो देखें जिसमें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रहस्य की इतनी परिष्कृत व्याख्या हमने आज तक नहीं सुनी कि महाभारत में अर्जुन ने श्री कृष्ण को ही क्यों चुना? ब्रह्माकुमारी रायपुर का शांति सरोवर हो या दुर्ग का आनंद सरोवर हो दोनों अलौकिक स्थान है जहां आने से मन शांति और आनंद से भर जाता है । कमलेश पवार ने कहा इस भव्य आयोजन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं है मैं यहां आकर सीखा शुद्धता व पवित्रता ही वह रास्ता है जो हमें परमात्मा से मिला सकता है और ब्रह्माकुमारी संस्था इस प्रयास में निरंतर प्रयासरत है। जिसके लिए सभी ब्रह्मकुमारी बहनों को हृदय से धन्यवाद देता हूं।

ब्रह्माकुमारीज की मुख्य संचालिका रीटा बहन ने कहा, श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर हमें अपने जीवन में धर्म को मुख्य महत्व देना चाहिए धर्म अर्थात जीवन की धारणाएं हैं जो कि वास्तविक धर्म है और यह है पवित्रता सुख शांति आनंद प्रेम जो हमें स्वयं भी अच्छी लगती है और हमें दूसरों में भी यह अच्छी लगती है । रूपाली बहन ने कहा, श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर हमें भगवान कृष्ण की 16 कला की बातें सीखनी चाहिए । श्री कृष्ण समग्र विश्व में ऐसे युग पुरुष हुए हैं जिनका हर कर्म कलायुक्त होता था जिसे ही 16 कला संपूर्ण कहा जाता है।

विषम परिस्थिति में मवेशियों को पकड़ रही है भिलाई निगम की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में जानवरों को पकड़ने का काम निरंतर जारी है। सड़क पर बैठने वाले, घूमने वाले, जानवरों को पकड़ने के लिए तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है। काऊ कैचर की तीन गाड़ियां चल रही है। जो शिकायत के अनुसार विभिन्न वार्डों में जाकर जानवरों को पकड़ रही हैं। शासन एवं जिला प्रशासन के आदेशानुसार सड़कों को रोका छेका अभियान के अंतर्गत सड़कों को जानवरों से मुक्त करना है। जिसके अंतर्गत जानवरों को हटाने का काम निरंतर चल रहा है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने इसके लिए अलग से विभाग बना दिया है। उसके नोडल अधिकारी अभियंता अनिल सिंह को बनाया गया है। पूरे टीम का गठन किया गया है। जिसका काम सड़क के जानवरों को पकड़ना उन्हें ले जाकर शहरी गौठान में रखना ।इसके लिए प्लेसमेंट के माध्यम से कर्मचारियों को कर्मचारियों की भर्ती की गई है। जो धीरे-धीरे जानवर पकड़ना सीख गए हैं। जानवर भी अब इतने चालक हो गए हैं गाड़ी देखते ही भाग जाते हैं। जल्दी पकड़ में नहीं आते, यह भी ध्यान देना होता है की किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो जाए। आने जाने वालों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो । नगर निगम भिलाई के कर्मचारी बहुत विषम परिस्थितियों में जानवरों को पकड़ रहे हैं। पशु मालिक दूध निकाल कर जानवरों को छोड़ देते हैं। कुछ बड़े-बड़े साड ,बछड़े इतनी मजबूत होते हैं मजदूरों को ही खींचकर लेकर भाग जाते हैं, मजदूरों को घायल कर देते हैं। फिर भी जानवर पकड़ने का काम लगातार जारी है। जोन 2 वैशाली नगर के अंतर्गत शांति नगर गौरव पथ से आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई की गई। सेंट्रल एवेन्यू, पावर हाउस चौक, जी रोड, खुर्सीपार, कैंप , जवाहर मार्केट ,गोल मार्केट ,सब्जी मंडी इत्यादि जगह से जानवरों को पड़कर गौठान में ले जाया गया। 4 गाय , 3 भैंस कोसानगर शहरी गौठान में, 2 सांड और 9 बछवा को डी मार्ट शहरी गौठान में छोड़ा गया। इस कार्य में जोन के राजस्व अधिकारी मलखान सिंह सोरी, बलवंत विष्णु इत्यादि कर्मचारी अपने दल के साथ संलग्न रहे।

यात्री प्रतिक्षालय पर कब्जा, बना लिया ऑफिस

प्रशासन मौन, लोगों में आक्रोश, दी घेराव की चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम के एक वार्ड में यात्री प्रतिक्षालय पर कब्जा कर उसमें कार्यालय खोले जाने का प्रयास जहां इन दिनों काफी चर्चा में है, वहीं स्थानीय नागरिकों में यात्री प्रतिक्षालय के रूप में वर्षों से वार्ड नागरिकों द्वारा उपयोग किए जा रहे इस स्थान पर जबरन आफिस बनाए जाने को लेकर रोष देखा जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने तत्काल यात्री प्रतिक्षालय को कब्जा मुक्त करने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।

जानकारी मिली है कि लोगों की जरूरतों के अनुरूप व्यवस्थित यात्री प्रतिक्षालय को लेकर निगम में टेंडर भी हुआ मगर अब प्रतिक्षालय पर कब्जा जमा इसे कार्यालय में बदला जा रहा है।

आपको बता दें कि बस की प्रतिक्षा स्टैंड के लिए आरक्षित वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड-5 अम्बेडकर नगर में सड़क 6ए से लगे यात्री प्रतिक्षालय को ऑफिस के रूप में डेवलप करने की जानकारी आ रही है जिससे लोग विरोध करने लगे हैं। स्थानीय नागरिक कूबेर शर्मा ने बताया कि यहां यात्री प्रतिक्षालय लंबे समय से है, विभिन्न स्कूलों की बस यहां रूकती है, छोटे से लेकर बड़े बच्चों के पालक और बच्चे इस जगह का प्रयोग बस की प्रतिक्षा में करते रहे हैं। व्यवस्थित यात्री प्रतिक्षालय न होने से तेज धूप और बारिश में काफी दिक्कत होती है, इसलिए स्थानीय नागरिकों की मांग अनुरूप यहां व्यवस्थित यात्री प्रतिक्षालय का निर्माण होना था मगर अब किसी ने कब्जा कर इसे आफिस बना लिया है। हम सभी ने यात्री प्रतिक्षालय को व्यवस्थित बनाए जाने की मांग की थी, निगम ने स्वीकृति भी दी।

परंतु अब यात्री प्रतिक्षालय को एक साजिश और निज स्वार्थ के तहत खत्म किया जा रहा है। इस संबंध में निगम आयुक्त और कलेक्टर से शिकायत कर तत्काल अन्य कार्य के लिए हो रहे निर्माण और प्रयोग पर रोक लगाते हुए स्थल का उपयोग केवल व्यवस्थित यात्री प्रतिक्षालय के लिए ही सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। शासन प्रशासन शीघ्र इस विषय पर ध्यान देकर कार्रवाई करे अन्यथा जनहित में हम सभी कलेक्टोरेट और निगम का घेराव करने विवश होंगे।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Premier sales: 8959493000

A Leela Electronics: 9425507772

Reena Electronics: 9329132299

Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

फाइल फोटो

पीलिया पीड़ित तीन मरीज अस्पताल में भर्ती

रायपुर। बोरियाखुर्द की आरडीए कॉलोनी सीवरेज का पानी नलों में घुलकर लोगों के घरों में पहुंच रहा है। पिछले एक हफ्ते के दौरान आठ पीड़ित हो चुके हैं। इनमें तीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चार-पांच लोगों में पीलिया के लक्षण हैं। सोमवार को सूचना मिलने के बाद आनन-फानन में स्वास्थ्य विभाग की टीम वहां भेजकर कैंप लगाया गया है। घर-घर दस्तक देकर मरीजों की जांच की जा रही है। लोगों को पानी उबालकर पीने को कहा जा रहा है। पूरे इलाके में 18 सौ से ज्यादा मकान है। मंगलवार को पूरे इलाके में सर्वे कर मरीजों की पहचान की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग और निगम की टीम ने 35 घरों में सप्लाई हो रहे पानी का सैंपल लिया है। सैंपल की जांच रिपोर्ट से खुलासा होगा कि पीलिया पानी के कारण ही फैल रहा है या इसकी कोई और वजह है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी प्रांतीय संयुक्त मोर्चा की बैठक, 9 सितंबर को प्रांतव्यापी हड़ताल की घोषणा

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी प्रांतीय संयुक्त मोर्चा ने सोमवार को दोपहर 2 बजे रायपुर में स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में 4 फीसदी महंगाई भत्ते की घोषणा न होने और देय तिथि से महंगाई भत्ते का एरियर्स राशि नहीं मिलने के खिलाफ 9 सितंबर 2024 को प्रांतव्यापी हड़ताल का निर्णय लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ शासकीय कर्मचारी अधिकारी महासंघ के क्रांति से हुई और इसमें छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय संयोजक अनिल शुक्ला, मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र राजपूत, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष आलोक मिश्रा, और लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ के प्रांत अध्यक्ष संजय सिंह सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए। सभी प्रमुख नेताओं ने एक स्वर में यह निर्णय लिया कि 9 सितंबर को पूरे प्रदेश में हड़ताल की जाएगी। इस दिन मंत्रालय, संचानालय, सभी चिकित्सालय, विद्यालय, और कार्यालय बंद रहेंगे। कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा के सभी घटक और प्रांताध्यक्ष इस हड़ताल के समर्थन में एकत्र होंगे और प्रांत के चतुर्थ वर्ग से लेकर प्रथम वर्ग तक के सभी अधिकारी कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर जिला, तहसील, ब्लॉक और प्रांतीय स्तर पर धरना, आंदोलन और प्रदर्शन करेंगे।

इस हड़ताल का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार से 4त्न महंगाई भत्ते की शीघ्र घोषणा और एरियर्स राशि की अदायगी की मांग करना है। यह आंदोलन कर्मचारियों के अधिकारों और उनके उचित हक के लिए है, जिसे प्रांतव्यापी स्तर पर लेकर चलने का निर्णय लिया गया है।

काव्य पाठ व नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को किया मोहित

वक्ता मंच ने किया 50 बाल प्रतिभाओं का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था 'वक्ता मंच' द्वारा आज़ादी का उत्सव आयोजित किया गया। भारत के महान स्वतंत्रता संघर्ष के दौर की कुर्बानियों व लाखों लोगों के त्याग व समर्पण की गाथा को इस अवसर पर रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा संस्था के प्रमुख एम. राजीव थे। अध्यक्षता शिक्षाविद् व व्यक्तित्व विकास ट्रेनर डॉ मुकेश शाह ने की। विशिष्ट अतिथि की आसंदी पर भिलाई के साहित्यकार राजाराम रसिक, धमधा के पत्रकार जितेंद्र वर्मा वैद्य एवं रायपुर की कवियित्री शोभा देवी शर्मा विराजमान थी। इस आयोजन में खेल, कला संस्कृति व शैक्षणिक क्षेत्र में विशेष योग्यता प्रदर्शित कर रहे रायपुर की 50 बाल प्रतिभाओं को स्व.सिद्धार्थ शर्मा

स्मृति उभरता सितारा अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सम्मानित होनेवाली बाल प्रतिभाओं ने कत्थक नृत्य, तबला, गिटार, सिंथेसाईजर, गीत गायन, पियानो वादन, काव्य पाठ व नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मोहित कर दिया। देर रात तक देशभक्ति की थीम पर प्रस्तुतियाँ जारी रही। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते एवं संयोजन संस्था के संयोजक शुभम साहू द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ता मंच के विशिष्ट सदस्यों डॉ इंद्रदेव यदु, दुष्यंत साहू, उर्मिला देवी, राजाराम रसिक एवं हरिशंकर सोनी के जन्मदिन को भी उत्सवित् किया गया।

सम्मानित होने वाले बाल प्रतिभाओं में आशना दिल्लीवार, आराध्या शर्मा, ओज शर्मा, भव्या सूर्या, लक्ष्या सूर्या, डिगेश कुमार साहू, वंश शर्मा, अभिरुक दास विवेक व्यास आरुष मेहर, सिद्धार्थ दिवाकर अथर्व शा, एडविक मरोडिया, के भूमिका, कृदय हलधर, आहना बेनर्जी, पलाश पांडेय, रोहित पाटिल, आनया पोद्दार, भव्यांश पांडे, विभांशी पांडे, माहिका दसारी मयंक व्यास, अथर्व पोद्दार, धानवी साहू, अनिश बेनर्जी, प्रियाशी ठाकरे, आर्यना जायसवाल, अचिंत्य जोशी, अभिश्री जोशी, समर्थ राठौर, समर्थ मिश्रा, रिद्धिमा मिश्रा, विनायक त्रिपाठी, अबीर बेनर्जी श्रीजा चक्रवर्ती, विहान बिसेन, सास्वती बेनर्जी, परिणीता षडनगी, पीयूष मेहर, नीलाभ पटेल, जय पटेल, विद्या पटेल, नीरजा पटेल, निखलेश्वर साहू एवं रूपेन्द्र कुमार साहू शामिल है। इसके अलावा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर काव्य पाठ का जादू बिखेर रहे वरिष्ठ कवि कुमार जगदलवी को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शुभा शुक्ला 'निशा'।नाली चक्रवर्ती, बलजीत कौर, प्यारेलाल देशमुख, यशवंत यदु 'यश', सुषमा पटेल सहित अनेक कवियों ने काव्य पाठ भी किया। वक्ता मंच की संरक्षक ज्योति शुक्ला द्वारा प्रस्तुत आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

स्कूलों का उन्नयन करने चलाया विशेष अभियान

जुलाई माह में स्वीकृत विकास कार्यों का ब्योरा किया पेश

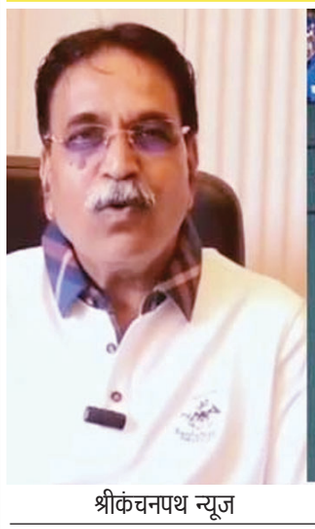

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री और रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत ने सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में स्कूलों के उन्नयन से संबंधित अपने कार्यों का विस्तृत ब्योरा जारी किया। उन्होंने कहा कि वह अपने इस कार्यकाल में स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि अपने पूर्व के कार्यकालों के दौरान भी मैंने युवाओं और शिक्षा से जुड़े जरूरी निर्माण कार्यों को मूर्त रूप दिलवाने के लिए हर संभव प्रयास किए थे जिसका उदाहरण नालंदा परिसर समेत सेंट्रल लाइब्रेरी का निर्माण और कई शैक्षणिक संस्थाओं का निर्माण है। इसी कड़ी में अब यह हम सब की जिम्मेदारी है कि नव निहालों को शिक्षा का एक बेहतर वातावरण देने के लिए स्कूलों में सुविधाओं का विस्तार करें।

मूणत ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार बच्चों के मानसिक शारीरिक और शैक्षणिक विकास से जुड़े कई प्रयास कर रही है, मेरा भी यही प्रयास है। महज 8 महीने के कार्यकाल में कई विकासकार्यों को आगे बढ़ाया है। इसमें स्कूलों विशेष तौर पर स्कूलों के कायाकल्प का कार्य उल्लेखनीय हैं। मूणत ने बताया कि उन्होंने जुलाई 2024 में महीने में रायपुर पश्चिम विधानसभा के हर स्कूल का जायजा लिया था और स्कूलों के विकास हेतु राशि स्वीकृत की थी।

मूणत ने अंत में कहा कि वह इसी प्रकार पूरे 5 वर्ष शिक्षा के अलावा अलग-अलग क्षेत्र से संबंधित जनता से मिल रहे सुझावों के मुताबिक कई प्रकार के विकास कार्यों को लेकर विशेष अभियान चलाते रहेंगे।

प्रस्तुत किया कार्यों का ब्योरा

- मायाराम सुरजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चौबे कॉलोनी में सिंथेटिक टेनिस कोर्ट निर्माण हेतु खेल विभाग से 16.34 लाख रुपया स्वीकृत।
- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डगनिया में सायकल स्टैंड निर्माण हेतु जिला खनिज संस्थान से 5 लाख स्वीकृत
- पंडित आर डी तिवारी उच्चतर माध्यमिक शाला में प्रार्थना सेड निर्माण के लिए खनिज संस्थान न्यास से 10 लाख रुपए स्वीकृत।
- पंडित गिरजा शंकर मिश्रा उच्चतर माध्यमिक अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय रायपुरा में प्रार्थना से निर्माण एवं बालक बाथरूम निर्माण हेतु खनिज संस्थान से 10 लाख रुपए स्वीकृत।
- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हीरापुर में दीवाल निर्माण कार्य एवं स्कूल मरम्मत हेतु खनिज संस्थान न्यास से 10 लाख रुपए स्वीकृत
- शासकीय प्राथमिक शाला टाटीबंध में वॉशरूम निर्माण हेतु जिला खनिज संस्थान न्यास निधि से 6 लाख स्वीकृत।
- शासकीय प्राथमिक शाला अटारी में वॉशरूम निर्माण एवं स्कूल मरम्मत कार्य हेतु जिला खनिज संस्थान न्यास निधि से 6 लाख स्वीकृत।
- शासकीय प्राथमिक शाला रायपुर में वॉशरूम निर्माण कार्य हेतु खनिज संस्थान न्यास निधि से लाख स्वीकृत।
- शासकीय प्राथमिक शाला रामकुंड में शौचालय मरम्मत एवं मैदान समतलीकरण कार्य हेतु खनिज संस्थान न्यास निधि से 9 लाख रुपया।
- शासकीय प्राथमिक शाला रवि शंकर परिसर में वॉशरूम निर्माण मैदान समतलीकरण कार्य हेतु 9 लाख रुपया स्वीकृत।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. रमन सिंह से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने आज पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष डॉ। रमन सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के शासकीय स्कूलों में लागू किए गए युक्तियुक्तकरण निर्देशों की खामियों और विसंगतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। मोर्चा का मानना है कि इस युक्तियुक्तकरण निर्देशों से निजी स्कूलों को अधिक लाभ मिलेगा, जबकि सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था चरमरा जाएगी। इसलिए मोर्चा ने उन्होंने इन निर्देशों को स्थगित करने की मांग की है। मोर्चा का कहना है कि किसी भी स्थिति में 2008 के विभागीय सेटअप से छेड़छाड़ नहीं होना चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल ने युक्तियुक्तकरण निर्देशों के लागू होने से शासकीय स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होने की संभावना जताई है। उन्होंने इस बात से अवगत कराया कि इससे न केवल शैक्षणिक सत्र के बीच हजारों शिक्षकों की स्थानांतरण प्रक्रिया से अफरा-तफरी मचेगी, बल्कि शाला प्रबंधन समितियों और स्थानीय निकायों और पालकों की सहमति नहीं लिए जाने से लोगों में आक्रोश पैदा हो सकता है।

प्रांतीय संचालक वीरेंद्र दुबे के नेतृत्व में शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव, मंत्री लखन लाल देवांगन और सांसद बृजमोहन अग्रवाल को भी ज्ञापन सौंपा। इसमें उन्होंने युक्तियुक्तकरण के निर्देशों की खामियों और उनकी स्थगन की मांग को लेकर अपनी चिंताओं को रखा।

शालेय शिक्षक संघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी और प्रदेश मीडिया प्रभारी जितेंद्र शर्मा ने बताया कि मोर्चा ने ज्ञापन देने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया है। पहले चरण में कलेक्टर और जिलाशिक्षाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया था। अब दूसरे चरण में मंत्रिमंडल, सांसदों और विधायकों को ज्ञापन दिया जा रहा है। आगामी चरण में, 2 से 3 अगस्त के बीच, शिक्षा सचिव और डीपीआई संचालक से मिलकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। अगर इन प्रयासों से समाधान नहीं निकलता, तो मोर्चा सड़क पर आंदोलन करने के लिए भी तैयार है।

राजधानी में दो नए फैमिली कोर्ट का गठन, 2 सितंबर से शुरू होगी सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में 2 सितंबर से दो नए फैमिली कोर्ट का गठन किया जा रहा है। विधि विधायी विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है, जिसमें दो अतिरिक्त फैमिली कोर्ट के गठन और उनके लिए दो जजों का सेटअप भी तय कर दिया गया है।

नए फैमिली कोर्ट की स्थापना

छत्तीसगढ़ शासन के विधि विधायी विभाग के प्रिंसिपल सिक्रेटरी रजनीश श्रीवास्तव द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, रायपुर में तृतीय और चतुर्थ अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय की स्थापना की जा रही है। इन न्यायालयों में 2 सितंबर से पारिवारिक मामलों की सुनवाई शुरू होगी। इन कोर्ट्स में तलाक, ज्यूडिशल सिपरेशन, भरण पोषण, बच्चों

की कस्टडी, और पति-पत्नी के बीच संपत्ति विवाद से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाएगी।

फैमिली कोर्ट की विशेषताएं

नए कोर्ट्स की स्थापना का उद्देश्य पारिवारिक विवादों का त्वरित और न्यायपूर्ण निपटारा करना है। इन कोर्ट्स के जजों को पारिवारिक मामलों में समझौता करवाने और समाज के प्रति प्रतिबद्धता का अनुभव होना चाहिए। परिवार न्यायालय अधिनियम, 1984 के तहत स्थापित इन न्यायालयों का मुख्य उद्देश्य परिवार में उत्पन्न होने वाले विवादों को समझौते के माध्यम से निपटाना और पक्षकारों को शीघ्र न्याय दिलाना है। जिन शहरों में फैमिली कोर्ट नहीं हैं, वहां इन मामलों को सिविल कोर्ट द्वारा सुना जाता है, लेकिन फैमिली कोर्ट में सुनवाई की प्रक्रिया अलग और अधिक केंद्रित होती है।

नए जजों का कार्यक्षेत्र

नए न्यायालयों के जजों को उनके कार्यक्षेत्र और अधिकार के बारे में भी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है। तृतीय और चतुर्थ अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, रायपुर के राजस्व जिले के अंतर्गत आने वाले मामलों की सुनवाई करेंगे, जिन्हें प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय द्वारा हस्तांतरित किया जाएगा। इस कदम से रायपुर में पारिवारिक विवादों के निपटारे की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे लोगों को त्वरित और प्रभावी न्याय मिल सकेगा।

ब्रह्माकुमारी ने सजाई भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक झाँकी

नन्हें बाल कलाकारों ने दी ''श्री कृष्ण का तुलादान'' प्रसंग की मनभावन प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा जन्माष्टमी के अवसर पर विधानसभा मार्ग पर शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में बहुत ही आकर्षक झाँकी सजाई गई है। जिसमें इस संस्थान के बाल कालाकारों द्वारा महारास और श्रीकृष्ण का तुलादान नामक नृत्य नाटक की प्रस्तुति मन को मोह लेती है। यह झाँकी सोमवार को शाम पांच बजे से रात के दस बजे तक अवलोकनार्थ खुली रहेगी।

इस अवसर पर रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि श्रीकृष्ण जयन्ती पर यही ईश्वरीय सन्देश है कि श्रीकृष्ण के दैवी गुणों और विशेषताओं को जीवन में उतारने का प्रयास किया जावे। गीता में बतलाए अनुसार अपने अन्दर छिपे हुए शत्रुओं काम, क्रोधादि विकारों का नाश करने से ही छोटी-मोटी बातों के लिए जो घर-घर में महाभारत चल रहा है, उसे समाप्त कर सकेंगे।

ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने आगे कहा कि विज्ञान के इस युग में श्रीकृष्ण की जयन्ती मना लेना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनके द्वारा

किए गए महान कार्यों के बारे में गहन चिन्तन कर उसे जीवन में उतारने की जरूरत है। उन्होंने बतलाया कि अर्जुन का अर्थ होता है ज्ञान अर्जन करने वाला। श्रीकृष्ण जयन्ती और गीता की सार्थकता इसी में है कि हरेक मनुष्य अर्जुन बने और गीता का अच्छी तरह से विवेचन कर उसे आत्मसात करने का प्रयास करे।

कोई भी मनुष्य किसी का शत्रु नहीं होता है। इसका स्पष्ट उल्लेख श्रीमद भगवद् गीता में मिलता है जिसमें लिखा है कि हे अर्जुन मनुष्य के अन्दर व्याप्त काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार ही उसके शत्रु हैं। जब हम इन विकारों पर विजय प्राप्त कर लेंगे तभी हम सुख और शान्ति से रह सकेंगे। गीता के माध्यम से समाज को यह सन्देश दिया गया है कि परमात्मा के साथ प्रीत बुद्धि होकर रहो क्योंकि इससे ही परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करने में परमात्मा की मदद मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का तुला दान नाटक में यही दर्शाया गया है कि सत्यभामा ने कृष्ण को माया और शक्ति के माध्यम से प्राप्त करना चाहा किन्तु पा न सकी। वहीं दूसरी ओर रूक्मणी ने सच्ची प्रीत से प्रभु को पा लिया।

वर्षावास के पावन अवसर पर धम्म देशना कार्यक्रम संपन्न

रायपुर। राजेन्द्र नगर बुध्द विहार में भारतीय बौद्ध महासभा जिला इकाई एवं पंचशील बौद्ध संघ रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में वर्षावास के पावन अवसर पर धम्मदेशना का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पांच भंते द्वारा धम्मदेशना दी गई जिसमें भंते सम्पजाणो असम से, भंते महानाम नागपुर से, भंते दीठ्ठिविशुध्दि बालाघाट से, भंते उत्तमों मग्गो बालाघाट से, भंते करूणा बोधि शामिल थे। इस तरह शहर में पहली बार एक मंच से पांच भंतों ने धम्मदेशना कार्यक्रम में शामिल हुए।

उपस्थित बौद्ध उपासक एवं उपासिकायों ने मन चित्त की एकाग्रता को जाना, आनापानसति, विपशना, ध्यान साधना, प्रज्ञा शील करूणा, अत: दीप भव:, बौद्ध धर्म के धम्म की महत्व एवं प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त ज्ञान ही यथार्थ ज्ञान है, इन सभी बातों को बेहद ही आकर्षक रूप से सभी बौद्ध भिक्षु संघ ने अपने अनुभव ज्ञान को व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव विजय गजघाटे और करूणा ताई वासनिक ने किया। वार्ड अध्यक्ष अरूणा मेश्राम, महेश बोरकर, हितेश गायकवाड़, विजय चौहान ने सहयोग किया।

निकिता दत्ता ने खूबसूरत ऑरेंज रंग के लहंगे में चुरा ली सारी लाइमलाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

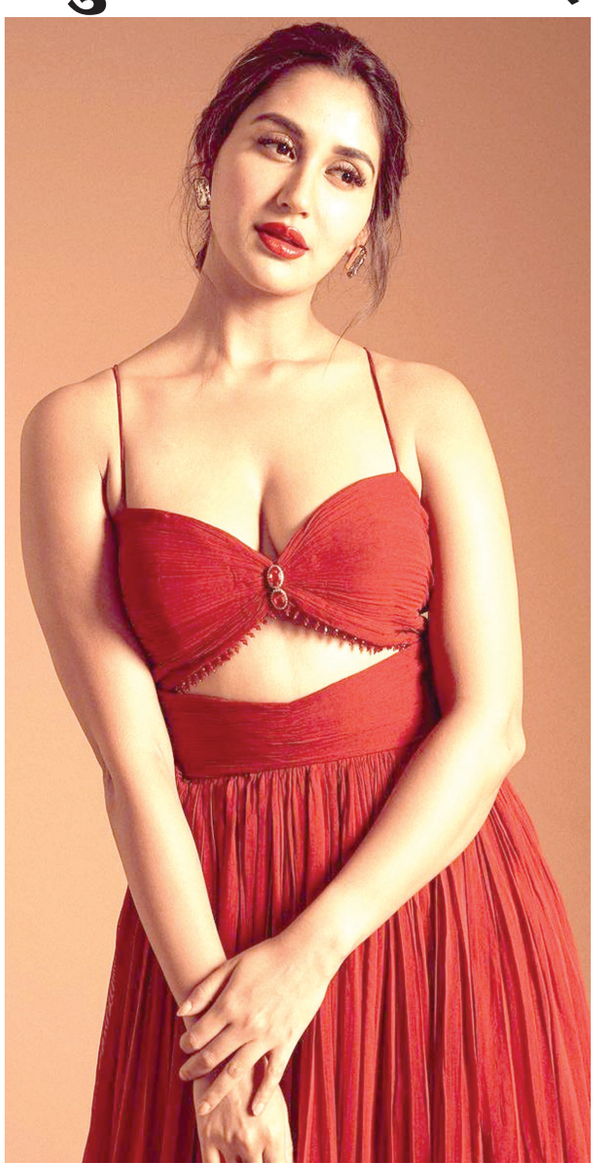

अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक इंटरनेट का तापमान बढ़ा रहा है।

बता दें कि एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ऑरेंज कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता के चेहरे पर प्यारी सी स्माइल उनके इस लुक पर चार चांद लगा रही है। हालांकि फैंस की भी नजरें उनकी तस्वीरों से हटने का नाम नहीं ले रही है।

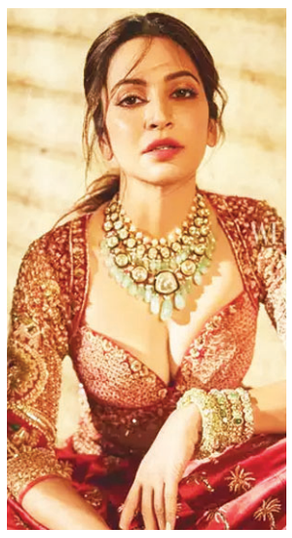

प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई को कहा अलविदा, प्रशंसक हुए भावुक

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हाल ही में मुंबई में अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और नीलम उपाध्याय की शादी के जश्न में शामिल हुईं। शादी समारोह के दौरान उन्होंने गुलाबी रंग की एक शानदार साड़ी पहनी थी, जो उनका 'देसी गर्ल' वाला लुक दे रहा था। अपने मुंबई यात्रा के दौरान, वह फिल्म सिटी भी गईं। अब भारत से वापस जाते समय अभिनेत्री ने एक 'अलविदा मुंबई' संदेश के साथ विदाई देते हुए एक वीडियो साझा किया है।

बता दें कि 27 अगस्त को, प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने हवाई जहाज की खिड़की से मुंबई को अलविदा कहते हुए एक वीडियो साझा किया। अभिनेत्री का यह वीडियो देख प्रशंसक भावुक हो गए। वीडियो के साथ, उन्होंने लिखा, 'जल्द ही मिलते हैं, मुंबई।'

भाई की शादी की तस्वीरें की थी साझा

इससे पहले, प्रियंका चोपड़ा ने अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और उनकी मंगेतर नीलम उपाध्याय की सगाई की पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिर से साझा किया। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर अपनी सगाई और हस्ताक्षर समारोह की शानदार तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में सिद्धार्थ नीलम को चूमते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरी में दोनों गर्व से अपनी सगाई की अंगूठिया दिखा रहे हैं। उन्होंने कुछ रोमांटिक तस्वीरें और हस्ताक्षर समारोह की खूबसूरत तस्वीरें भी पोस्ट की।

साड़ी में साझा की थी तस्वीरें

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर साड़ी में कुछ शानदार तस्वीरें साझा की थीं। जिसमें, उन्होंने एक खूबसूरत गुलाबी साड़ी के साथ मोती का चोकर और मैचिंग इयररिंग्स पहनी हुई थी। ब्राइट लिपस्टिक और मेसी बन के साथ, उन्होंने खुद को स्टाइल किया था। एक तस्वीर में, उन्होंने काला चश्मा पहना हुआ था, जो उनका दबंग अंदाज दिखा रहा था।

प्रियंका चोपड़ा का वर्क फ्रंट

प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने हाल ही में 'द ब्लफ' की शूटिंग पूरी की है। वह एक्शन-कॉमेडी 'हेड्स ऑफ स्टेट' में भी दिखाई देने वाली हैं, जिसमें जॉन सीना, इदरीस एल्बा और जैक क्वैड शामिल हैं। वहीं, उनकी मराठी फिल्म पानी भी 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अनानास के सेवन से मिलते हैं कई लाभ, जानिए इसके जरिए कैसे घटता है वजन

अनानास एक बेहद स्वादिष्ट और रसभरा फल होता है, जिसके कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है और कैलोरी काफी कम होती है। इस फल में कई तरह के मिनरल, विटामिन और पोषक तत्व मौजूद होते हैं। आप अपनी वजन घटाने वाली डाइट में इस फल को शामिल करके मोटापे से छुटकारा पा सकते हैं।अनानास इन 5 गुणों के कारण वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है।

ब्रोमेलैन से होता है समृद्ध

अनानास का स्वाद तो लाजवाब होता ही है, साथ ही यह ब्रोमेलैन नामक तत्व से भी लैस होता है। इस तत्व में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं, जो प्रोटीन को पचाने में सहायता कर सकते हैं। इसके सेवन से मांसपेशियों का दर्द कम होता है और रिकवरी भी तेज हो जाती है। आप रोजाना की एक्सरसाइज के बाद अनानास का सेवन कर के वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज बना सकते हैं।

कैलोरी की मात्रा होती है कम

कई अन्य फलों की तुलना में अनानास में काफी कम मात्रा में कैलोरी मौजूद होती हैं, जिसके कारण यह वजन घटाने में सहायता करता है। एक कप कटे हुए अनानास में केवल 82 कैलोरी होती हैं। अगर आपको शाम के समय अधिक भूख लगती है, तो आप अस्वस्थ स्नैक्स के बजाय इस फल का सेवन कर सकते हैं। इससे आपको बार-बार भूख भी नहीं लगेगी और आपका पेट भी भरा रहेगा।

उच्च मात्रा में होता है फाइबर

फाइबर आंत के अच्छे बैक्टीरिया को स्वस्थ रखने में मदद करता है और भूख को कम करके वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करता है। अगर आप डाइट में फाइबर जोड़ना चाहते हैं तो अनानस का सेवन करें। इसमें मौजूद फाइबर आपको लंबे समय तक तृप्त महसूस कराने में मदद करता है, जिससे अधिक खाने की संभावना कम हो जाती है। इसके अलावा, यह फल पाचन स्वास्थ्य को भी दुरुस्त करता है।

शरीर को करता है हाइड्रेट

वजन घटाने के लिए हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी होता है। शरीर में पानी की मात्रा को बढ़ाने के लिए आपको खान-पान में अनानास को शामिल करना चाहिए। यह फल 86 प्रतिशत पानी से बना होता है और इससे शरीर को इलेक्ट्रोलाइट्स मिलते हैं। इसे आहार का हिस्सा बनाने से शरीर की सूजन घटती है, भूख कम होती है और संपूर्ण चयापचय कार्य का समर्थन भी होता है। आप अनानास से ये 5 स्वादिष्ट रेसिपी बनाकर खा सकते हैं।

चयापचय को बनाता है मजबूत

हाल में किए गए कुछ शोध से पता चलता है कि अनानास में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और यौगिकों का अनूठा संयोजन चयापचय को मजबूत बना सकता है। यह रसीला फल ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने और इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाने में मदद कर सकता है।इसके अलावा, मैंगनीज और विटामिन सी की मौजूदगी के कारण अनानास पाचन क्रिया को भी स्वस्थ बनाता है। अनानास को डाइट में शामिल करने से आपको ये फायदे मिल सकते हैं।

जन्नत जुबैर का हुआ मेक ओवर, बदला बालों का रंग

सोशल मीडिया सनसनी और अभिनेत्री जन्नत जुबैर ने अपने बालों का रंग बदला है। जन्नत ने इंस्टाग्राम पर अपने नए बालों के रंग को दिखाते हुए और कल्कि फैशन लेबल की फ्लोर-स्वीपिंग ड्रेस पहने हुए कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, नए बाल, यह कौन है?

वह वर्तमान में शो लाफ्टर शेफ फन लिमिटेड में नजर आ रही हैं, जहां वह कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, एली गोनी, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अर्जुन बिजलानी, निया शर्मा, सुदेश लहरी जैसे नामों के साथ हैं। शो की होस्ट भारती सिंह हैं और जज शेफ हरपाल सिंह सोखी हैं।

उन्होंने 2008 में चांद के पार चलो से अभिनय शुरू किया। इसके बाद उन्होंने काशी-अब ना रहे तेरा कागज कोरा, फुलवा, भारत का वीर पुत्र-महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में अभिनय किया। उन्हें स्टंट शो फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 12 में देखा गया, जहां वह चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने दिलराज ग्रेवाल के साथ कुलछे छोले से पंजाबी फिल्म में डेब्यू किया। अभिनेत्री को फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में शामिल किया गया। इस महीने की शुरुआत में सीनियर एक्टर धर्मेंद्र ने उनकी पंजाबी व्यंजन की सराहना की। जन्नत अक्सर लाफ्टर शेफ के सेट से जुड़े मोमेंट्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं।

वॉर 2 में ऋतिक का एंट्री सीन दर्शकों की धड़कनें कर देगा तेज, फिल्म को लेकर आई दिलचस्प जानकारी

वॉर 2 अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है, लेकिन इस फिल्म को लेकर दर्शकों में अभी से काफी ज्यादा उत्साह है। यशराज स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में ऋतिक के साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आने वाले हैं। यह उनकी पहली हिंदी फिल्म है। यही वजह है कि दक्षिण भारत के लोगों को भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

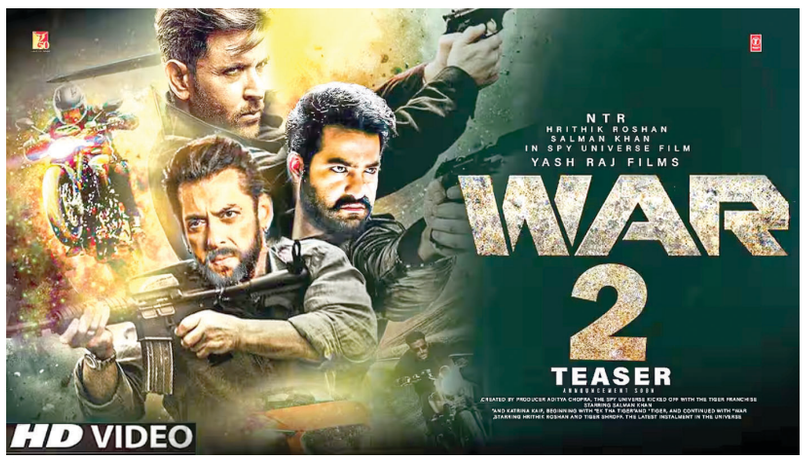

वॉर 2 का फिल्मांकन काफी समय पहले शुरू किया जा चुका है। हालांकि, निर्माता बहुत हद तक शूटिंग से जुड़ीं चीजों को गोपनीय रखने में कामयाब रहे हैं। इस बीच हाल ही में इस फिल्म को लेकर कुछ दिलचस्प जानकारी सामने आई हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में ऋतिक रोशन का एंट्री सीन कुछ ऐसा होगा जो दर्शकों की सांसें रोक देगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक जापानी मठ में एक खतरनाक खलनायक के साथ तलवारबाजी करते नजर आएंगे। पहले खबर थी कि ऋतिक शाओलिन मंदिर में एक एक्शन सीन करेंगे, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में यह उनका इंट्रोडक्शन सीक्वेंस होगा।

इस सीन को मार्च में शूट किया जा चुका है। इसकी परिकल्पना निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने मिलकर की है। इसके लिए मुंबई के अंधेरी में वाईआरएफ स्टूडियो में एक विशाल सेट का निर्माण किया गया था। फिल्म में इस मठ को पहाड़ की चोटी पर दिखाया जाएगा।

रिपोर्ट्स से यह भी पता चला है कि फिल्म के लिए ऋतिक रोशन ने न केवल हफ्तों तक मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लिया, बल्कि जापानी तलवार कताना चलाना भी सीखा। इससे पहले जानकारी सामने आई थी कि वॉर के गाने जय जय शिव शंकर की तरह फिल्म के सीक्वल में भी एक गाना होगा, जिसमें जूनियर एनटीआर और ऋतिक थिरकते हुए दिखेंगे।

फेस सीरम के होते हैं ढेरों फायदे, त्वचा के अनुसार फेस सीरम चुनने के तरीके

बढ़ती उम्र के साथ त्वचा में कोलेजन का उत्पादन कम हो जाता है, जो एक आवश्यक प्रोटीन है। इसके घटने से त्वचा पर झुर्रियां, झाइयां और महीन रेखाएं नजर आने लगती हैं। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप त्वचा की देखभाल में फेस सीरम को शामिल कर सकते हैं। इसमें कई सक्रिय तत्व होते हैं, जो सीधे त्वचा में अवशोषित हो जाते हैं। आप अपनी त्वचा के अनुसार सही फेस सीरम चुनने के लिए ये तरीके अपनाएं।

रूखी त्वचा के लिए फेस सीरम

कई लोगों की त्वचा बेहद शुष्क और रूखी होती है। इस तरह की त्वचा वाले लोगों को चेहरे पर खिंचाव महसूस होता है और उनकी त्वचा फटने लगती है। ऐसे में शुष्क त्वचा वाले लोगों को बेहद हाइड्रेटिंग फेस सीरम का चुनाव करना चाहिए। हयालूरोनिक एसिड, ग्लिसरीन या स्क्वालेन जैसे तत्वों वाला फेस सीरम चुनें।इन तत्वों वाले फेस सीरम से त्वचा में नमी बनी रहती है और रूखेपन से निजात मिलता है।

संवेदनशील त्वचा के लिए फेस सीरम

संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को सही उत्पाद न इस्तेमाल करने से मुंहासे, झुर्रियां और लालपन जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस प्रकार की त्वचा वाले लोगों को अपनी त्वचा देखभाल दिनचर्या में कैमोमाइल, एलोवेरा और हयालूरोनिक एसिड जैसे तत्वों से युक्त फेस सीरम शामिल करने चाहिए।संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को अल्कोहल और खुशबु वाले सीरम से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। फेस सीरम के लाभ पाने के लिए इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका जानें।

तैलीय त्वचा के लिए फेस सीरम

तैलीय त्वचा वाले लोगों की त्वचा पर अधिक तेल का उत्पादन होता है। इस प्रकार की त्वचा वाले लोगों का चेहरा पहले से ही चिपचिपा होता है और

उसपर अधिक नमी वाला फेस सीरम लगाने से तैलीयपन में इजाफा हो सकता है। इस स्थिति से बचने के लिए आपको नियासिनमाइड या सैलिसिलिक एसिड जैसे नॉन-कॉमेडोजेनिक तत्वों वाला फेस सीरम चुनना चाहिए। इनके जरिए तेल उत्पादन और रोमछिद्रों का आकार कम होता है।

मिश्रित त्वचा के लिए फेस सीरम

कई लोगों की त्वचा की बनावट ऐसी होती है, जिसमें रूखी और तैलीय त्वचा दोनों शामिल होती है। ऐसे लोगों को अपने चेहरे पर एक हल्का फेस सीरम इस्तेमाल करना चाहिए, जो हाइड्रेटिंग भी हो और चिपचिपाहट भी न पैदा करे।नियासिनमाइड या हाइलूरोनिक एसिड जैसे तत्व मिश्रित त्वचा को फायदा पहुंचाकर उसे अधिक स्वस्थ और चकमदार बना सकते हैं। आप अपनी त्वचा देखभाल दिनचर्या में इन्हीं तत्वों से युक्त फेस सीरम को जोड़ें।

मुंहासों वाली त्वचा के लिए फेस सीरम

बदलते मौसम और हॉर्मोनल उतार-चढ़ाव के चलते अधिकतर लोगों को मुंहासों की परेशानी से जूझना पड़ता है। हालांकि, आप सही तरह का फेस सीरम इस्तेमाल करके इस समस्या को दूर कर सकते हैं। आपको मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए सैलिसिलिक एसिड, बेंजोयल पेरोक्साइड और टी-ट्री तेल जैसे तत्वों वाला फेस सीरम चुनना चाहिए। इसके अलावा, ब्लैकहेड्स को दूर करने के लिए सल्फर युक्त फेस सीरम लगाएं। जानिए फेस सीरम और फेस मॉइस्चराइजर के बीच का अंतर और लाभ।

सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में और बेहतर होंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के पास बनाये जाएंगे आवास
- 18 पीएचसी में आवास के लिए लगभग नौ करोड़ रूपए प्राक्कलन तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। आवास नहीं होने की बात कहकर सुदूरवर्ती क्षेत्रों के अस्पतालों में समय पर उपस्थित नहीं होने वाले और लंबी दूरी से आना जाना करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों का यह बहाना आने वाले समय में नहीं चलेगा। जिला प्रशासन द्वारा जिले की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में भवनविहीन विद्यालयों के लिए भवन स्वीकृत करने तथा शिक्षकों की व्यवस्था किए जाने के बाद अब स्वास्थ्य सुविधाओं पर फोकस किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाया है। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवास बनाने की स्वीकृति प्रदान की है। प्रारंभिक चरण में कुल 18 स्ानों पर आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके लिए लगभग नौ करोड़ की राशि का स्टीमेट तैयार किया गया है। जल्दी ही आवास निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी। आवास बनने के पश्चात प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सेवा देने वाले चिकित्सकीय कर्मियों को आवास की समस्या से नहीं जूझना पड़ेगा।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कोरबा जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विगत कई महीनों से विभागीय समीक्षा की। उनके समक्ष प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ चिकित्सकों सहित अन्य के लिए आवास व्यवस्था नहीं होने की बात सामने आने पर उन्होंने आरईएस और लोक निर्माण विभाग के माध्यम से प्राक्कलन तैयार कराएं। पीडब्ल्यूडी द्वारा प्रति आवास 48.71 लाख रूपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केद्र लाफा, सपलवा, कोरबी, सिरमिना, लालपुर और माचाडोली का प्राक्कलन तैयार किया गया है। इसी तरह ग्रामीण सेवा यांत्रिकी सेवा संभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भैसमा में आवासीय निर्माण हेतु 49.90 लाख की रूपये का प्राक्कलन तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुदमुरा, तिलकेजा, कोरकोमा, करतला ब्लॉक के चिकनीपाली, सरगबुंदिया, कटघोरा ब्लॉक के चाकाबुड़ा, पाली विकासखण्ड के चैतमा, पोड़ी उपरोड़ा क्षेत्र के तुमान, कटोरीनगोई, पिपरिया, महोरा में प्रति आवास 49.41 लाख रूपये का प्राक्कलन तैयार किया गया है। आवास का निर्माण जिला खनिज संस्थान न्यास के माध्यम से किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ एस एन केशरी ने बताया कि चिकित्सक सहित अन्य स्टॉफके ठहरने के लिए आवास की व्यवस्था की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि जिले के जिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है, उसमें से अधिकांश दूरस्थ क्षेत्र के पीएचसी है। स्वास्थ्य केंद्र के नजदीक ही आवास उपलब्ध होने पर चिकित्सकों को वहां निवास करने में कोई समस्या नहीं आयेगी, वहीं चिकित्सकों के निवास करने से अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं और भी बेहतर बनेगी।

जिले के पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में स्थित मोरगा और पसान तथा कोरबा ब्लॉक के श्यांग शहर मुख्यालय से काफी दूर और सीमावर्ती क्षेत्रों में आते हैं। इन क्षेत्रों में लंबे समय से स्वास्थ्य केंद्र में आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। कलेक्टर श्री वंसत द्वारा इन स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान ग्रामीणों सहित स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने गंभीर मरीजों को रिफर करने के लिए एम्बुलेंस की आवश्यकता बताई थी। कलेक्टर ने इस संबध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस एन केशरी को निर्देश भी दिए थे।

मथुरा-वृंदावन की तरह लोगों को आकर्षित कर रहा रायगढ़ का झूला उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़ । नगर में जन्माष्टमी झूला उत्सव मनाने की शुरुआत सेठ किरोड़ीमल ने 1956 में गौरीशंकर मंदिर में की थी। अब श्रीश्याम मंडल इसे आगे बढ़ा रहा है। सन 1975 से श्रीश्याम मंदिर प्रांगण में झुला उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मथुरा-वृंदावन के उत्सव की ही तरह रायगढ़ का झूला उत्सव लोगों को आकर्षित कर रहा है।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का श्रीश्याम मंडल तथा गौरीशंकर मंदिर समिति द्वारा विशेष तैयारी की गई है। कोलकाता के कलाकारों ने स्वचलित झांकियां सजाई है। श्याम बगीची में 24 से 28 अगस्त तक पांच दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेला उत्सव का आयोजन श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। श्याम बगीची परिसर में 15 हजार वर्ग फीट में वाटर प्रूफ पंडाल बनाया गया है। मंदिर परिसर में लड्डू गोपाल, राधा—कृष्ण, बांकेबिहारी की झांकी सजी है। यहां हर दिन लगभग पांच लाख लोग दर्शन के लिए पहुंच रहे है।

यहां लगाई गई झांकियों को कोलकाता के कुमार टोली के मूर्तिकार एवं दुर्ग के कलाकारों ने तैयार की है। मूर्तियों को जीवंत रूप में देकर अपनी कला का जादू दिखाया है। कुमार टोली अपनी रचनात्मकता के लिए राष्ट्रीय स्तर ख्याति प्राप्त है।

चुनाव से पहले मोदी सरकार का बड़ा फैसला लद्दाख में 5 नए जिले बनाने का ऐलान

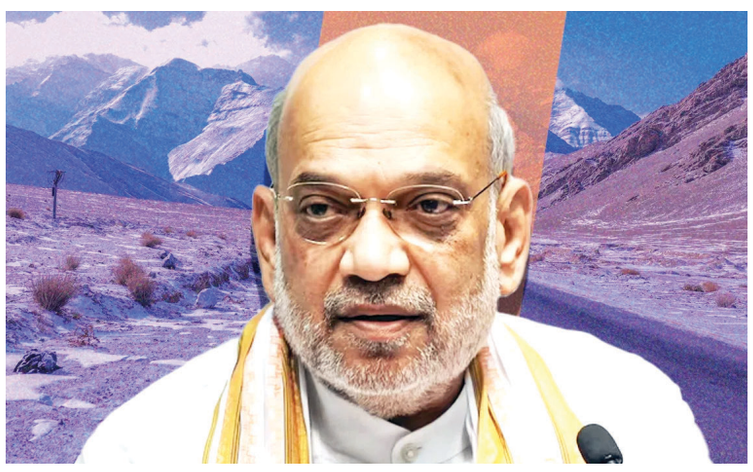

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में केंद्र सरकार पांच नए जिले बनाएगी। इस बात की जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स से एक पोस्ट शेयर किया। अमित शाह ने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और समृद्ध लद्दाख के निर्माण के दृष्टिकोण के तहत गृह मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश में पांच नए जिले बनाने का निर्णय लिया है।

अमित शाह ने पोस्ट के माध्यम से पांच नए जिलों के नाम भी बताए। जिसमें ज़ांस्कर, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग शामिल हैं। अमित शाह ने कहा, हर गली-मोहल्ले में शासन को मजबूत कर लोगों के लिए लाभ को उनके दरवाजे तक पहुंचाएंगे। मोदी सरकार लद्दाख के लोगों के लिए प्रचुर अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि साल 2019 से पहले लद्दाख जम्मू-कश्मीर का हिस्सा था। लेकिन, 2019 में परिसीमन के बाद जम्मू-कश्मीर से अलग होकर लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना। यहां दो जिले हैं, लेह और कारगिल।

साल 2019 में केंद्र की मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को खत्म किया था। इस आर्टिकल के रहने से जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्राप्त था। लेकिन, लोकसभा, राज्यसभा में आर्टिकल 370 के खत्म होने के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर बांटा गया।

ज्ञात हो कि हाल ही में भारतीय चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। यहां आर्टिकल 370 खत्म होने के बाद पहली बार विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा की है। 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान होगा। मतों की गिनती 4 अक्टूबर को होगी।

चुनाव आयोग के मुताबिक, जम्मू और कश्मीर में 90 निर्वाचन क्षेत्रों में 87.09 लाख मतदाता हैं, जिनमें 42.6 लाख महिलाएं हैं। यहां पहली बार वोट देने वाले युवा मतदाताओं की संख्या 3.71 लाख है। जबकि, कुल मिलाकर 20.7 लाख युवा मतदाता हैं, जिनकी आयु 20 से 29 वर्ष के बीच है।

बीएसपी ऑफिसर एसोसिएशन ने किया बीएसपी साइकलिंग क्लब के खिलाड़ियों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र ऑफिसर एसोसिएशन द्वारा प्रगति भवन सिविक सेंटर में राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में चयनित भिलाई इस्पात संयंत्र साइकिलिंग क्लब के समस्त पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। बीएसपी साइकलिंग क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर एवं वीआर चन्नावार ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दुर्ग जिला शिक्षा विभाग द्वारा 14 जुलाई को आयोजित दुर्ग संभाग स्तरीय साइकिलिंग प्रतियोगिता में बीएसपी साइकलिंग क्लब के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगभग सभी पदक अपने नाम किया।

उन्होंने बताया कि बीएसपी साइकलिंग क्लब के खिलाड़ी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर से ही राज्य के प्रशिक्षक देवप्रकाश वर्मा के निर्देशन में अपना लक्ष्य तय कर अभ्यास में जुटे हुए हैं और वर्तमान में भी इनकी निरंतर अभ्यास जारी है। विशेष प्रशिक्षण के लिए जबलपुर से एनआईएस कोच प्रतीक मनोध्या को विभिन्न तकनीकी विधाओं के साथ अभ्यास करने हेतु नियुक्त किया गया है। यह समस्त खिलाड़ी आगामी 14 से 17 सितम्बर तक भिलाई में अयोजित ट्रैक साइकिलिंग एवं 6 से 9 अक्टूबर तक रायपुर में अयोजित रोड साइक्लिंग राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग दल का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर बीएसपी साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष एवं बीएसपी ऑफिसर एसोसिएशन के महासचिव परविंदर सिंह, ज्ञान चतुर्वेदी, ईवी सुनील, साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफछग के उपाध्यक्ष एस के तिंगुरिया, कोषाध्यक्ष बीना मिश्रा, तोशेंद्र वर्मा आदि ने समस्त खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ में बुवाई 100 फीसदी पूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस साल खरीफसीजन के धान की बुवाई सौ प्रतिशत हो गई है। साथ ही राज्यभर में राजस्व विभाग द्वारा फसलों की गिरादवरी का काम शुरू हो गया है। गिरदावरी की प्रक्रिया के दौरान ये जानकारी आ रही है, इस साल धान का रकबा पिछले साल के मुकाबले बढ़ सकता है। वजह ये है कि राज्य में धान की कीमत सबसे अधिक 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल मिल रही है।

यही कारण है कि जिन किसानों ने पिछले साल अपने खेत में धान नहीं बोया था, वे भी इस बार धान लगा चुके हैं। राजस्व विभाग के सूत्रों के मुताबिक, पूरे प्रदेश में पटवारी अपने-अपने हल्का क्षेत्र में फसलों की गिरदावरी के काम में लग गए हैं। ये काम अगस्त से शुरु हुआ है। संभावना है कि राज्य भर में गिरदावरी का काम सितंबर के पूरे महीने में चलेगा। बताया गया है कि पटवारी गिरदावरी का काम मैन्युअल और ऑनलाईन दोनों सिस्टम से कर रहे हैं। किसानों के खातों में यह दर्ज किया जा रहा है कि उनके पास कुल जमीन में कितने रकबे में धान या अन्य कोई फसल लगाई गई है। राज्य में खरीफ सीजन में सबसे अधिक खेती धान की की जाती है।

बढ़ सकता है धान का रकबा

छत्तीसगढ़ में इस साल अब तक 2712.63 हेक्टेयर रकबे में धान की बुवाई हो चुकी है। पिछले साल 2676.53 हेक्टेयर में धान बोया गया था। यह बुवाई धान की सीधी बोवाई के माध्यम से हुआ है। राज्य में धान का रोपा 1152.46 हेक्टेयर रकबे में लगाया गया है।

इस तरह कुल मिलाकर 3865.09 हेक्टेयर में धान की बुवाई हो चुकी है। यह लक्ष्य का सौ प्रतिशत है। पिछले साल इसी अवधि में 3747.25 हेक्टेयर में धान की बुवाई हुई थी। दूसरी ओर राजस्व विभाग के सूत्रों का कहना है कि इस साल धान का रकबा बढ़ सकता है। वजह ये है कि राज्य में धान की सबसे अधिक कीमत 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल मिल रही है।

इस हिसाब से प्रति एकड़ धान की कीमत 65 हजार रूपए से अधिक होती है। इधर रायपुर से लगे अभनपुर क्षेत्र से मिल रही जानकारी के अनुसार, जिन किसानों ने पिछले साल अपनी खेतों में धान नहीं लगाया था, वे भी इस साल धान लगाए हैं। ऐसे किसान पटवारियों से मिलकर उन्हें जानकारी दे रहे हैं कि कितने रकबे में धान लगाया है। ये किसान पटवारियों से रिकार्ड में सुधार करवा रहे हैं। दरअसल जो किसान एक साल भी धान नहीं बोते है, उनकी जमीन के रिकार्ड में पड़त जमीन लिख दी जाती है। ऐसे में संबंधित किसानों का धान बेचने के लिए पंजीयन भी नहीं किया जाता है।

भारी बारिश से गुजरात में सैलाब, घरों में घुसा पानी, अंकलेश्वर-भरूच मार्ग पर 20 किमी जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के बड़े हिस्से में भारी बारिश का दौर जारी है। कई राज्य बाढ़ जैसे हालात से जूझ रहे हैं। ताजा खबर गुजरात और महाराष्ट्र से है। बीते 48 घंटों में भारी बारिश के बाद गुजरात में जलप्रलय की स्थिति है।

विभिन्न हादसों में 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 हजार लोगों को बाढ़ से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। आज भी 13 जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट घोषित किया गया है। भारी बारिश से गुजरात में हाईवे भी जाम हो गए हैं। अंकलेश्वर - भरूच मार्ग पर 20 किमी जाम लगा है।

वहीं, सूरत वडोदरा हाईवे पर कई वाहन फंसे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, गुजरात में 17,827 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की 13 टीमें और एसडीआरएफ की 22 टीमें तैनात की गई हैं, जो राहत और बचाव कार्य कर रही हैं।

बाढ़ प्रभावित जिलों की लिस्ट

बनासकांठा, साबरकांठा, अहमदाबाद, अरावली, खेड़ा, अहमदाबाद, आनंद, पंचमहल, दाहोद, महिसागर, वडोदरा, छोटा उदयपुर, डांग, तापी, सूरत, नर्मदा, भरूच, नवसारी, वलसाड और दमन और दादरा और नगर हवेली, अमरेली, भावनगर, मोरबी, सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर, जूनागढ़, द्वारका, बोटाद और कच्छ। मौसम विभाग ने कहा कि अधिकांश जिलों के लिए 30 और 31 अगस्त को ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मिनीमाता बांगो डेम का अवलोकन करने पहुंचीं सांसद ज्योत्सना महंत

कोरबा। लोकसभा क्षेत्र की लगातार दूसरी बार निर्वाचित सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत सोमवार को पाली- तानाखार विधानसभा के विकासखंड पोड़ी- उपरोड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे पर रहीं। इस दौरान उन्होंने मिनीमाता बांगो बांध पहुँच कर निरीक्षण किया व जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता से जानकारी ली व आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सांसद ज्योत्सना महंत ने हसदेव तट पर बसे ग्रामीणों व रहवासियों से अपील करते हुए कहा कि नदी में मत्स्य आखेट के लिए न जाएं साथ ही बांध व नदी के निचले क्षेत्र में रहने वाले लोगो को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर समुचित व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। बता दें कि कोरिया जिले में पिछले कई दिनों से हुई लगातार बारिश के कारण मिनीमाता बांगो हसदेव बांध लबालब हो गया है और छह गेट खोल दिए गए हैं। सांसद ज्योत्सना महंत के निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस के तिवारी व उनके अधीनस्थ अधिकारी उपस्थित थे।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

अमित शाह के दौरे के एक दिन बाद बीजापुर में 25 नक्सलियों ने किया सरेंडर

छत्तीसगढ़ पुलिस की बड़ी सफलता सरेंडर नक्सलियों में दो महिलाएं, 6 पर था 28 लाख का इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा मार्च 2026 तक नक्सलियों का सफाया करने का ऐलान किया गया। शाह के तीन दिवसीय दौरे से लौटने के बाद बीजापुर पुलिस को नक्स्ल मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है। यहां कुल 25 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में दो महिला नक्सली भी शामिल हैं। यही नहीं इनमें से 6 नक्सली ऐसे भी हैं जिन पर 29 लाख रुपए का इनाम घोषित है।

बता दें कि 2 दिन पहले छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने की बात कही थी। राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ से लगे सभी जिलों के डीजीपी व मुख्य सचिवों की बैठक लेकर अमित शाह ने नक्सली समस्या की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की खुलकर सराहनाकी थी। समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा था कि अब समय आ गया है कि वामपंथी उग्रवाद की समस्या पर रुथलेस रणनीति के साथ अंतिम प्रहार किया जाए। बैठक के बाद शाह ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद लोकतंत्र व्यवस्था के लिए चैलेंज है।

इधर अमित शाह दिल्ली के रवाना हुए और दूसरे ही दिन बीजापुर पुलिस को बड़ी सफलता

मिली। बीजापुर एसपी पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि 29 लाख के छह इनामी सहित 25 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें से तीन नक्सलियों पर आठ-आठ लाख का इनाम हैं। तीनों पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) सदस्य थे। अन्य नक्सलियों में एक पर तीन लाख व दो नक्सलियों पर एक-एक लाख का इनाम था। सभी भैरमगढ़ व गंगालूर एरिया कमेटी में सक्रिय थे। सरेंडर करने वालों को 25,000 रुपए की सहायता दी गई है और उन्हें सरकार की नीति के अनुसार पुनर्वास नीति का लाभ दिया जाएगा। सरेंडर करने वालों को 25,000 रुपए की सहायता दी गई है और उन्हें सरकार की नीति के अनुसार पुनर्वास नीति का लाभ दिया जाएगा।

दो महिला नक्सलियों पर 16 लाख का इनाम

बीजापुर एसपी ने बताया कि सरेंडर करने वाली महिला नक्सली 23 साल की शंबती मडकम और 27 साल की ज्योति पुनेम पर 8-8 लाख का इनाम था। सरेंडर नक्सली महेश तेलम पर भी 8 लाख का इनाम था। मडकम 2012 में नक्सली संगठन में शामिल हुई थी। जो प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की गंगलूर और भैरमगढ़ एरिया कमेटी में एक्टिव थी। मडकम 2012 में नक्सली संगठन में शामिल हुई थी। 2012 से मडकम ने कई नक्सली वारदात को अंजाम दिया है। वह सुकमा-बीजापुर हमले में शामिल थी, जिस हमले में 17 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे। इसके अलावा 2021 में बीजापुर के टेकलगुडेम हमले में भी शामिल थी, जिसमें 22 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे। पुनेम और तेलम इस साल मई में बीजापुर के पिडिया गांव में हुई मुठभेड़ में शामिल थे, जिसमें 12 नक्सली मारे गए थे।

खास खबर

लाखों रुपए की उठाईगिरी का खुलासा, कार चालक ही निकला मास्टर माइंड

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में बीते शनिवार 24 अगस्त को दिनदहाड़े उठाईगिरी का मामला सामने आया था। रायपुर के एक व्यापारी के कार से 2.22 लाख रुपए को पार कर दिया गया था। चोरी करने की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई था। इस मामले को लेकर पुलिस ने आज सोमवार को खुलासा कर दिया है। इस उठाईगिरी का मास्टर माइंड ड्राइवर है,जो रायपुर के पीड़ित व्यापारी दिनेश कुमार जैन का कार चलता था।

एडिशनल एसपी पुष्पेन्द्र बघेल ने बताया कि पुलिस को शुरू से ही कार चालक सौरभ राहुलकर पिता सुधीर राहुलकर उम्र 30 निवासी रायपुर के ऊपर संदेह था। संदेह होने पर घटना स्थल का टावर डंप लेकर संदेहियों के मोबाइल डिटेल लेकर ट्रेस किया जा रहा था। आरोपियों का लोकेशन रायपुर होना पता चला। कबीरधाम पुलिस की टीम रायपुर रवाना हुई। संदेहियों का पहचान कर आरोपियों को हिरासत में लिया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर इनके द्वारा वारदात करना स्वीकर किया गया। आरोपी सौरभ राहुलकर पिता सुधीर राहुलकर, लोकेश उर्फलक्कू मिरझा पिता प्रकाश मिरझा उम्र 20 व एक नाबालिग ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि राखी त्यौहार के दिन तीनों आरोपियों द्वारा घटना को अंजाम देने प्लानिंग की थी।

शिक्षक और व्यापारी ने महिला से की छेड़छाड़, पुलिस ने दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

कोंडागांव। कोंडागांव जिला मुख्यालय में एक महिला के साथ छेड़छाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार को लगभग 3:30 बजे की है, जब गांधीवार्ड निवासी शिक्षक अरुण बिश्वास और डीएनके कॉलोनी निवासी व्यापारी रतन दत्ता, सुब्रत रॉय के साथ महिला के घर पहुंचे। तीनों आरोपी महिला के पुराने परिचित थे, जिसके कारण महिला ने उन्हें अपने घर में आने की अनुमति दी और बैठने को कहा।

आरोप है कि अरुण बिश्वास और रतन दत्ता ने पानी मांगने के बहाने महिला के साथ दुर्व्यवहार किया। महिला ने तुरंत घटना की जानकारी कोण्डागांव थाने में दी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार अरुण बिश्वास माकड़ी ब्लॉक में बीआरपी के पद पर कार्यरत हैं और रतन दत्ता एक स्थानीय व्यवसायी हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और महिला को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इस घटना के बाद लोग आरोपियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि जांच निष्पक्ष और त्वरित होगी।

मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने ग्रामीण को उतारा मौत के घाट, हत्या के बाद फेंके पर्चे

बीजापुर। बीजापुर जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम जैगुर निवासी ग्रामीण पर नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाते हुए उसकी निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल बना है। इस वारदात को नक्सलियों के भैरमगढ़ एरिया कमेटी ने दिया है।

बता दें कि नक्सलियों के द्वारा जारी अपने पर्चे में बताया कि 2021 से मंडावी सीतु मुखबिरी का काम कर रहा था, जिसे देखते हुए उसे जन अदालत में जान से मारने का फरमान जारी किया गया था, इसके अलावा नक्सलियों के द्वारा ऑपरेशन कगार को हराने की बात भी कही है। फर्जी मुठभेड़ को बंद करने की बात कही है, भैरमगढ़ ब्लॉक के ग्राम जैगुर निवासी था मृतक। 26 अगस्त को सीतु को मौत की सजा दी गई है।

नशे पर वार : हेरोइन का सौदा कर रहे शख्स को पुलिस ने दबोचा, 50 हजार रुपए का हेरोइन जब्त

सुपेला पुलिस की कार्रवाई, एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी को भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार नशे के खिलाफकार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में 25 अगस्त की शाम करीबन 5 बजे मुखबिर की सूचना पर कान्ट्रैक्टर कालोनी हनुमान मंदिर के पास अवैध रूप से मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) बेचते युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने 50 हजार रुपए का 6 ग्राम हेरोइन जब्त किया है।

सुपेला पुलिस को सूचना मिली थी कि कान्ट्रेक्टर कालोनी हनुमान मंदिर के पास एक व्यक्ति नशीला पदार्थ बेच रहा है। सुपेला पुलिस ने इसकी जानकारी एसपी जितेन्द्र शुक्ला को दी और इसके बाद सुपेला पुलिस की टीम मौके से हरजिंदर सिंह उर्फ बल्लू को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 02 पैकेट मादक पदार्थ हेरोईन (चिट्टा) वजन 06 ग्राम, इलेक्ट्रानिक तराजू मशीन, 1 मोबाइल कुल कीमती 50000 रुपए आरोपी के कब्जे से जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 21

(ख), 22 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक मनीष बाजपेयी, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, एएसआई दिनेश सिंह, प्रधान आरक्षक प्रकाश तिवारी, आरक्षक जुनेद सिद्धीकी थाना सुपेला एवं एसीसीयू से प्रधान आरक्षक मुरलीधर कश्यप, आरक्षक रिंकू सोनी, आरक्षक अजय गहलोत, विक्रांत बंदू, राकेश चौधरी का विशेष योगदान रहा।

गांजा तस्कर पकड़ाए, 7 किलो गांजा बरामद

छावनी पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाले दो युवकों को पकड़ा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति विकास दुकान के सामने खण्डहर के पास गांजा बेचने के लिए आने वाले है। सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी की और मौके से हुसैन शरीफ और गगनदीप सिंह पकडा। हुसैन शरीफ से 3.230 किलो एवं गगनदीप सिंह से 3.622 किलो कुल 6.952 किलो मादक पदार्थ गांजा बरामद कर जब्त किया है। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत 69502 रुपए है। आरोपियों के खिलाफ धारा 20बी एनसीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में थाना छावनी के उप निरीक्षक वरूण देवता, प्रधान आरक्षक जसपाल सिंह, आरक्षक अकाश तिवारी, ध्रुव नारायण चन्द्राकर, सुनील वर्मा, त्रिलोक भाठी एवं एसीसीयू के प्रधान आरक्षक विजय शुक्ला, जुगनु सिंह, अनुप शर्मा आदि की सराहनीय भूमिका रही।

मालगाड़ी के सामने कूदकर शख्स ने दी जान, घंटों ट्रैक पर पड़ी रही लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला अंडरपास के ऊपर रेलवे ट्रैक पर सोमवार की दोपहर एक शख्स ने मालगाड़ी के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना सोमवार दोपहर लगभग 12 से 12:30 बजे के बीच की है। डाउनलाइन पर यह हादसा हुआ। खासबात यह है कि हादसे के बाद शव करीब 5 बजे शाम तक रेलवे ट्रैक पर ऐसे ही पड़ा रहा।। इस दौरान डाउन ट्रैक पर एक दर्जन से अधिक ट्रेनें युवक के शव के ऊपर से गुजर गई।

मिली जानकारी के अनुसार सुपेला अंडरपास के ऊपर डाउन ट्रैक पर एक शख्स अचानक मालगाड़ी के सामने कूद गया। जिस समय यह घटना घटी वहां कुछ महिलाएं खड़ी थी। महिलाओं ने बताया कि जैसे ही मालगाड़ी नजदीक पहुंची शख्स ट्रैक पर लेट गया। शख्स का शरीर दो भागों में कट गया। हादसे की सूचना जीआरपी और भिलाई भट्टी पुलिस दी गई। सूचना के बाद भी शव को हटाने में पुलिस ने दिलचस्पी नहीं दिखाई और घंटो तक शव ट्रैक पर ही पड़ा रहा। इस दौरान कई ट्रेनें शव के ऊपर से गुजर गई। शाम को लगभग पांच बजे भिलाई भट्टी पुलिस ने शव को उठवाया और पीएम के लिए भेजा। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। हुलिया देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि मृतक की उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष के बीच हो सकती है।

सीआरपीएफ के प्रधान आरक्षक ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

दंतेवाड़ा। जिले के बारसूर थाना क्षेत्र में पदस्थ प्रधान आरक्षक विपिन्द्र चंद्र ने सोमवार की सुबह आत्महत्या कर ली। जिसके बाद कैम्प में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, प्रधान आरक्षक ने अपनी सर्विस रायफल से आत्महत्या की, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

प्रधान आरक्षक के शव का पोस्टमॉर्टम दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में किया गया। और फिर एम्बोम्बिंग के लिए जगदलपुर के मेडिकल कॉलेज डिमरापाल भेजा गया। एम्बोम्बिंग के बाद शव को एनएच 30 के माध्यम से रायपुर ले जाया जाएगा और वहां से फ्लाइट के जरिए गृहग्राम के लिए रवाना किया जाएगा।

बारसूर थाना प्रभारी के अनुसार, प्रधान आरक्षक विपिन्द्र चंद्र 195 बटालियन के सी कम्पनी में पदस्थ थे। सोमवार की सुबह बैरक में उन्होंने अपनी एके-47 रायफल से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर कैम्प में अफरातफरी मच गई। इसके बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रधान आरक्षक को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। मामले की जांच जारी है। शव को आला अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

गांजा तस्करी का सरगना चढ़ा पुलिस के हत्थे, ढाई माह से था फरार

- **कई बार जा चुका है जेल, जशपुर के कोतबा थाना क्षेत्र का है मामला**

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस को गांजा तस्करी के सरगना को पकड़ने में सफलता मिली है। करीब ढाई माह पहले तस्करी के एक मामले में आरोपी फरार हो गया था और उसकी जहग नाबालिग पकड़ाया था। नाबालिग ने ही सरगना का नाम बताया था जो जरूरतमंदों को तस्करी के काम में डाल रहा था। लगभग ढाई माह बाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को धर दबोचा है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

बता दें पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा गांजा तस्कर, नशीली दवाओं के तस्कर एवं पशु तस्करों की पतासाजी हेतु सायबर सेल को सम्मिलित कर विशेष अभियान चलाया गया है। जिले के समस्त थाना व चौकी प्रभारियों को मुखबीर लगाकर एवं तस्करी की सूचना मिलने पर तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है।

करीब ढाई माह पूर्व 2 जून 2024 की

शाम लगभग 7 बजे एसपी शशि मोहन सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि लैलुंगा (रायगढ़) की ओर से कुछ लोग एक कार क्रमांक सीजी 13 एडब्ल्यू 4063 में भारी मात्रा में गांजा की तस्करी करते हुये कोतबा की ओर पहुंच रहे हैं। सूचना मिलने पर तत्काल चौकी प्रभारी कोतबा के नेतृत्व में टीम गठित कर मुखबिर के बताये अनुसार ग्राम पीठाआमा चौक के पास नाकाबंदी की गई। आने-जाने वाली वाहनों की चेकिंग की जा रही थी, तभी वहां से सीजी 13 एडब्ल्यू 4063 गुजर रहा था। कार को रोकने पर चालक एवं उसमें सवार कुछ व्यक्ति पुलिस को देखकर भाग गए। कार में एक 16 साल का नाबालिग मिला।

पुलिस ने नाबालिग से गांजा रखने के संबंध में पूछताछ की और वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की में मादक पदार्थ गांजा 27 किलो कीमती 2,70,000 मिलने पर कार सहित जब्त किया गया। नाबालिग को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर बताया कि उक्त गांजा हीराधर यादव का है एवं गांजा को अन्य साथियों के साथ मिलकर लैलुंगा तरफसे ला रहा था। अपचारी बालक को पूछताछ के उसे बाल संप्रेषण गृह भेजा गया। इसके बाद से प्रकरण के अन्य आरोपीगण फरार चल रहे थे, जिनकी पतासाजी की जा रही थी।

पुलिस की विशेष टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए प्रकरण के मुख्य आरोपी हीराधर यादव को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में उसने उक्त अपराध में सम्मिलित होना स्वीकार किया है। आरोपी हीराधर यादव (35) निवासी हल्दीझरिया थाना बागबहार को को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

एसपी शशि मोहन सिंह ने कहा है कि अवैध नशे, मादक पदार्थों की तस्करी के विरूद्ध जशपुर पुलिस का अभियान लगातार जारी है, नशे से युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है, जशपुर पुलिस का इस पर विशेष ध्यान है। आम जनता से अपील है कि ऐसी सूचना मिलने पर पुलिस को सूचित करें।

चाट-गुपचुप ठेले में बेच रहा था नशीली दवा

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में चाट-गुपचुप टेले से नशीली दवा बेचकर युवाओं का भविष्य खराब करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला जिले के कुनकुरी थाना क्षेत्र का है। बदमाश यहां एक स्कूल के सामने के सामने यह अवैध धंधा कर रहा था। दरअसल कुनकुरी पुलिस को विशेष सूत्रों से पता चला कि दिवाकर ताम्रकार नाम का शख्स तपकरा रोड स्थित कन्या स्कूल के पास गुचचुप व चाट ठेला लगाता है। वह अपने चाट-गुपचुप टेले के माध्यम से प्रतिबंधित नशीला टेबलेट बेच रहा है। इसकी सूचना पर तत्काल पुलिस टीम ने दबिश देकर उसके कब्जे से 144 स्पॉज्मो पॉक्सीवान टेबलेट जब्त किया। पूछताछ में आरोपी ने उक्त नशीला टेबलेट यहां बेचने के लिए रखना बताया। इसके बाद पुलिस ने दिवाकर ताम्रकार को गिरफ्तार कर धारा 22(बी) के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया।

सरपंच की हत्या : टेबल पार्टनर ने किया मर्डर, बोला- पत्नी पर थी बुरी नजर

- **खेरथा गांव के सरपंच की हत्या का मामला सुलझा, आरोपी पोस्टमेन दोस्त गिरफ्तार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले के संजारी थाना क्षेत्र में खेरथा गांव के सरपंच की हत्या का मामला पुलिस ने चंद घंटों में ही सुलझा लिया। हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका टेबल पार्टनर दोस्त पोस्टमेन निकला। रविवार की आधीरात के बाद पोस्टमेन ने अपने सरपंच दोस्त को कई बार चाकू मारा। जिससे उसकी मौत हो गई। सोमवार की सुबह पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच किया और साक्ष्य जुटाने के बाद आरोपी पोस्टमेन को गिरफ्तार कर लिया।

बता दें खेरथा गांव के सरपंच विक्रम सिन्हा की लाश उसके टेबर पार्टनर पोस्टमेन रामजी प्रजापति के घर पर मिली थी। विक्रम सिन्हा ने पंचायत चुनाव में पहली बार हिस्सा लेकर जीत हासिल की थी। विक्रम सिन्हा अक्सर रामजी प्रजापति के साथ बैठकर शराब पीता था। रविवार की रात को भी दोनों ने मिलकर शराब पी। दोनों ने साथ बैठकर शराब पी और खाना खाया। देर रात करीब 2-3 बजे रामजी की पत्नी

चीखते हुए बाहर निकली। शोर सुनकर गांव वाले भी एकत्र हो गए।

हत्या का पता चलते ही उन्होंने रामजी को उसके ही घर में बंद कर दिया। सुबह सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सोमवार की सुबह सरपंच की खून से लथपथ लाश उसके घर पर मिली। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पोस्टमेन रामजी प्रजापति गांव में कह रहा था कि उसने की सरपंच की हत्या की। घटना के बाद शुरुआती जांच में पुलिस ने पाया कि सरपंच को 22 बार चाकू से गोदा गया। इस मामले में साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस ने आरोपी रामजी प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी रामजी ने बताया कि सरपंच विक्रम सिन्हा उसकी पत्नी पर बुरी नजर रखता था इस लिए उसकी हत्या कर दी।

CHHATTISGARH BIOFUEL DEVELOPMENT AUTHORITY (CBDA)
(Dept. of Energy, Govt. of Chhattisgarh)
Project Office, Biofuel Complex, Village -Godhi, Dist.Durg - 490036. Tel.: 7880161544
Tender No.CBDA/2024/PT/BEP/002 Dt.27.08.2024
NOTICE INVITING TENDER
CBDA invites sealed tenders for 'Complete Design, Engineering fabrication with Installation & Commissioning of Water Heater cum steam generator at 1G bio-ethanol demonstration plant, Vill: Godhi, Dist. Durg for R&D purpose'.
For details, refer website: www.cbda.in
Pre-bid Meeting: 05.09.2024 at 15:00 hrs.
Last date of submission of Bid & Time: 16.09.2024 till 15:00 hrs.
Date & Time for Technical Bid opening: 16.09.2024 till 15:30 hrs.
CBDA reserves all rights to accept/reject any or all tenders in full/part without assigning any reasons.
Assistant Project Officer-PC(I)
S-41236/2

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

'विष्णु' के घर कृष्ण जन्माष्टमी की धूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मुख्यमंत्री निवास में धूमधाम से मनाया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस बार जन्माष्टमी अपने निवास पर दिव्यांग बच्चों के साथ मनाई।

सीएम साय ने दिव्यांग बच्चों संग मनाया त्यौहार

राधा और कृष्ण का रूप धरे रायपुर के तीन दिव्यांग संस्थाओं के 25 बच्चों की अठखेलियों से सोमवार की शाम मुख्यमंत्री निवास गुलजार रहा। मुख्यमंत्री श्री साय ने इन बच्चों के साथ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने पालने में बाल गोपाल के रूप में बिराजे दिव्यांग बालक रूद्र की पूजा कर झूला भी झुलाया। उन्होंने प्रदेशवासियों को कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूजा के बाद सभी बच्चों को खुद अपने हाथों से प्रसाद वितरित किया। उन्होंने बच्चों को अपनी गोद में लेकर दुलारा और उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में भी पूछा। रायपुर के शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय मठपुरैना तथा माना के अस्थि बाधित बालगृह और बहु-दिव्यांग बालगृह के बच्चे मुख्यमंत्री निवास में आयोजित कृष्ण जन्माष्टी कार्यक्रम में शामिल हुए। संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री साय ने जन्माष्टमी का पावन दिन इन बच्चों के साथ साझाकर उनके त्यौहार को खास बना दिया।

उन्होंने इस मौके पर कहा कि इन बच्चों के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाना और उनकी पूजा करना मेरे लिए अत्यंत सुखद और गर्व का विषय है। प्रदेश के अन्य बच्चों की तरह ये बच्चे भी हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। हम इनकी बेहतर परवरिश, शिक्षा-दीक्षा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं।

शोभायात्रा पर श्रममंत्री ने बरसाए फूल भगवान श्रीकृष्ण को पालने पर झुलाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग और श्रममंत्री लखनलाल देवांगन कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर कोरबा शहर के विभिन्न मंदिरों में आयोजित श्री कृष्ण जन्मोत्सव में शामिल हुए। पुरानी बस्ती कोरबा स्थित रानी रोड दुर्गा मन्दिर से श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर स्थानीय वार्ड वासियों द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में मंत्री श्री देवांगन शामिल हुए। मंत्री श्री देवांगन ने श्री कृष्ण की आरती की। वार्ड वासियों के साथ मंत्री श्री देवांगन ने श्री कृष्ण झांकी पर फूलों की वर्षा की।

मंत्री श्री देवांगन ने वार्डवासियों और समिति को जन्माष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि सनातन परंपरा में आस्था रखने वालों के लिए श्री कृष्णा प्रेरणा स्त्रोत हैं। गीता के माध्यम से श्री कृष्ण ने धर्म के मार्ग पर चलने का उपदेश दिया है और सभी धर्म को साथ में लेकर कैसे चला जाता है इसे उन्होंने सिखाया भी है। आज हम सभी को श्री कृष्ण के बताएं मार्ग पर चलना चाहिए। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन, पार्षद धनश्री साहू, राकेश नागरमल, लक्ष्मण श्रीवास व समिति के विशाल साहू, अंशु तिवारी, जयंत श्रीवास, वीरेंद्र साहू, राहुल तंवर समेत अधिक संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। तत्पश्चात् मंत्री श्री देवांगन सीतामणी स्थित श्री सप्तदेव मंदिर पहुंचे। उन्होंने श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर बनाए गए विभिन्न झांकियों के साथ-साथ भगवान श्रीकृष्ण का दर्शन किए। कृष्ण भगवान की जीवंत मनमोहक झांकी देख मंत्री भाव विभोर हुए। भगवान को भोग लगाकर आरती की गई। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने सभी भक्तों के साथ राधे-राधे का उद्घोष किया।

इसके अलावा पंडित रविशंकर नगर स्थित कपिलेश्वर मंदिर, राधा कृष्ण मन्दिर बालको और श्रीराम मंदिर बालको नगर में मंत्री श्री देवांगन श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर अशोक मोदी, राजा मोदी, गौरव मोदी, वैभव शर्मा समेत अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

कृष्ण की लीलाओं से प्रेरणा लेकर अपनाएं सच्चाई और न्याय का मार्ग- केदार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वनमंत्री केदार कश्यप बस्तर के ग्राम भानपुरी में आयोजित कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की पूजा-अर्चना की तथा झूला झुलाया। उन्होंने क्षेत्रवासियों और प्रदेश के सभी लोगों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर वनमंत्री श्री कश्यप ने कृष्ण जन्माष्टमी पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान कृष्ण की कृपा से आपके जीवन में प्रेम, शांति और खुशहाली आए। हम सभी कृष्ण की लीलाओं से प्रेरणा लें और अपने जीवन में सच्चाई और न्याय का मार्ग अपनाएं। समस्त जगत भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन हों और सभी अपने जीवन को सकारात्मकता से भरें। यही मंगल कामना है। यह कार्यक्रम तुलसी महिला मंडल के द्वारा आयोजित किया गया था।

मंडल के सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम उत्साहपूर्वक मनाया गया। भानपुरी, करंदोला सहित आसपास के लोग सम्मिलित हुए।

कमार बसाहट 21 गांवों में आज से जनमन शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम- जनमन) के अंतर्गत जिले में विशेष पिछड़ी शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर जिले के 199 विशेष पिछड़ी जनजाति बसाहटों में किया जा रहा है।

शिविर के माध्यम से पीवीटीजी कमार सदस्यों को मूलभूत सुविधाओं राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम आवास, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वन अधिकार पट्टा एवं पीएम किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। गांवों में शिविर लगाकर कमार सदस्यों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही मौके पर ही लोगों को विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 27 अगस्त को जिले के 21 कमार बसाहट गांवों में शिविर का आयोजन किया जायेगा। इनमें जनपद पंचायत गरियाबंद अंतर्गत दांतबाय, डुमरबाहरा, फुलकर्रा, गुजरा, हरदी, हाथबाय, जंगल धवलपुर में शिविर आयोजित की जायेगी।

कुनकुरी के ग्रामीणों से सीएम विष्णुदेव साय ने जाना हाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जशपुर जिले के ग्राम पंचायत तामासिंघा, बंदरचुआं और आश्रित ग्रामों के पंचों तथा ग्रामीणों के वार्षिक भ्रमण में अब एक नई जगह जुड़ गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह ग्राम बगिया के आसपास के गांवों से वार्षिक भ्रमण पर राजधानी रायपुर पहुंचे ग्रामीणों ने गांव लौटने से पूर्व यात्रा के अंतिम पड़ाव में मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से अपनी यात्रा के बारे में रोचक बातें साझा की। मुख्यमंत्री ने सभी का हालचाल जाना और बारिश, खेती-किसानी सहित गांव से जुड़ी ढेर सारी बातें की। इस मौके पर ग्राम तामासिंघा के सरपंच संकेत साय पैंकरा भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री साय सभी से बड़ी आत्मीयता से मिले। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस साल अच्छी

बारिश हुई है और पैदावार भी अच्छी होगी। श्री साय ने कहा कि कुनकुरी और आसपास के क्षेत्रों में पानी की समस्या रहती है, इसके लिए सिंचाई और पेयजल परियोजनाओं पर काम हो रहा है। आने वाले समय में सिंचाई के साथ अन्य समस्याएं भी दूर हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को सामुदायिक भवन के स्वीकृति की जानकारी दी और बच्चों के खेलकूद के लिए जरूरी अधोसंरचना उपलब्ध कराने की बात कही। ग्रामीणों ने भी मुख्यमंत्री के सामने आत्मीयता से अपनी बातें रखी। यात्रा के बारे में बताया, गांव के बारे में जानकारी दी और कुछ समस्याएं भी रखीं। ग्रामीण अपनी बात उनसे ऐसे साझा कर रहे थे, मानों गांव के अपने किसी साथी को बता रहे हों। ग्रामीणों ने बताया कि श्री साय शुरू से ही ऐसे है, वे कहीं भी रहें उनका अपने क्षेत्र और क्षेत्रवासियों से हमेशा ऐसा ही लगाव रहा है। सांसद रहते हुए भी क्षेत्र के विकास के लिए जुटे रहे और उनका यह स्वभाव आज भी नहीं बदला है। हमने उनका संघर्ष देखा है और आज जब वो प्रदेश के मुखिया है, यह बात हमें गौरव से भर देती है।

गौरतलब है कि तामासिंघा और आसपास के ग्राम पंचायत के सभी पंच अपने परिजनों के साथ प्रतिवर्ष प्रदेश के विभिन्न इलाकों के भ्रमण पर निकलते है। इसी कड़ी में पंचों के प्रतिनिधिमंडल ने अपने परिजनों के साथ इस वर्ष मां बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़, राजधानी रायपुर के मंत्रालय, शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम, जंगल सफारी, राम मंदिर और पुरखौती मुक्तांगन का भ्रमण किया। इस मौके पर सायनंदन राम, श्रीमती सुचिता लकड़ा, सचिव अनुराग तिवारी, श्रीमती लिवावती बाई सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामीण जन उपस्थित थे।

स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने लाइव सुना पीएम मोदी का विशेष सम्बोधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। महाराष्ट्र के जलगांव में रविवार को आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को कोण्डागांव जिले के सभी 5 विकासखंडों के 750 महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने तन्मयता के साथ देखा। इस प्रसारण को जिले के महिला समूहों के 32 हजार से अधिक सदस्यों ने टेलीविजन सहित मोबाइल और लैपटॉप के माध्यम से देखा और प्रधानमंत्री के प्रेरक संदेश का श्रवण किया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने की बात कही। ज्ञातव्य है कि कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत

अविनाश भोई के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को जिले के सभी विकासखंडों में महिला स्व समूहों के बीच दिखाने हेतु आवश्यक व्यवस्था की गई थी।

स्व-सहायता समूहों को मिला वित्तीय संबल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कार्यक्रम में जिले के 15 स्व-सहायता समूहों को 2 लाख 25 हजार रुपए रिवॉल्विंग फंड राशि प्रदान की गई, जिससे वे अपने छोटे-छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ा सकें। इसके अलावा 215 समूहों को 5 करोड़ 43 लाख रुपए से अधिक राशि का बैंक ऋण भी वितरित किया गया, जो उनके आर्थिक सशक्तिकरण में मील का पत्थर साबित होगा। इन योजनाओं का उद्देश्य है कि ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बनें और अपने परिवारों के लिए बेहतर जीवन-यापन साधन सृजित कर सकें।

1880 महिलाएं बनीं लखपति

इस कार्यक्रम के दौरान जिले की 1880 महिलाओं को 'लखपति दीदी' का प्रमाण पत्र दिया गया। लखपति दीदी पहल के तहत इन महिलाओं ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार किया है। उन्होंने अपनी मेहनत और संघर्ष से अपने व्यवसाय को इस मुकाम तक पहुंचाया, जहां वे अब लाखों रुपये की कमाई कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने इन महिलाओं को प्रेरणा का स्त्रोत बताते हुए कहा कि वे पूरे देश के लिए एक उदाहरण हैं और उनकी यह सफलता अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करेगी।

सीआरपी की महत्वपूर्ण भूमिका

इस कार्यक्रम में 46 कम्यूनिटी रिसोर्स पर्सन अर्थात सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने लखपति दीदी पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन सीआरपी ने स्व-सहायता समूहों को संगठित करने, उनके प्रशिक्षण और मार्गदर्शन में अपना योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने सीआरपी के इस योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के नायक हैं और उनकी मेहनत और समर्पण के कारण ही यह पहल सफल हो पाई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहा है विकास का प्रसार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास और महिला सशक्तिकरण के लिए यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी, तो न केवल उनके परिवार बल्कि पूरा समाज प्रगति करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार का उद्देश्य है कि देश की हर महिला को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950